www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 224 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
06 नवम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:18
सूर्यास्तः 05:21
अधिकतमः 30°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार
धनतेरसः धन की पूजा नहीं ... >>पेज 04
वो चुनाव में मुझे अंदर ... >>पेज 06
रामायण में कैकेयी का ...

75% पैसा पीएफ में जमा होगा, इस साल रिटायर हुए कर्मियों को मिलेगा ज्यादा फायदा

कर्मचारियों को मिलेगा तीस दिन का बोनस

- विपक्ष लोकतंत्र नहीं, अपने परिवार बचाने की कवायद कर रहा।
- राहुल गांधी को बार-बार फेल होने वाले छात्र जैसा बताया।
- सपा शासन को गुंडागर्दी, अराजकता और दंगों से जोड़ा।

जिस निष्पक्षता से जॉब मिली, उसी ईमानदारी से पीड़ित को न्याय दिलाएं, नए अफसरों को योगी की सलाह

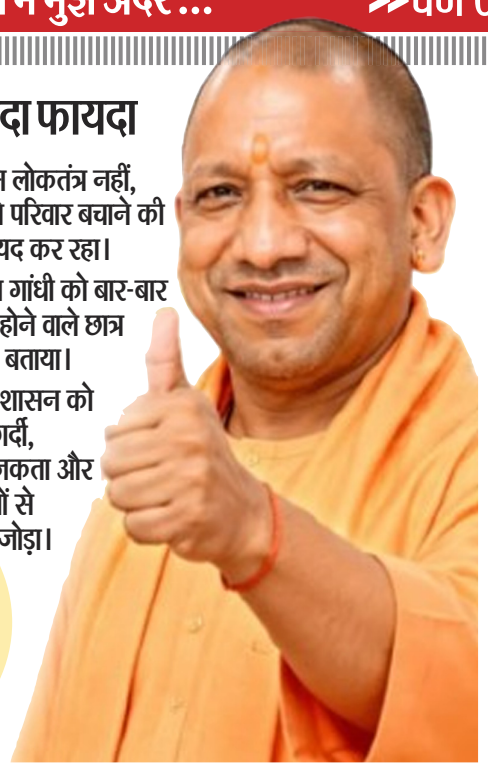

शासनादेश

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। योगी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को दिवाली पर 30 दिन के बोनस का तोहफा दिया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद वित्त विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने गुरुवार शाम 7 बजे आदेश जारी किया। इससे करीब 14.50 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 6,908 रुपए बोनस मिलेगा। 75 फीसदी पैसा पीएफ खाते में जमा किया जाएगा, बाकी रकम नकद मिलेगी। लेवल-8 तक के कर्मचारी पात्रः वे कर्मचारी जिन्हें 47,600 से 1,51,100 रुपए तक का वेतनमान मिलता है, वे बोनस के दायरे में आएंगे। पुराने वेतनमान में 4,800 रुपए ग्रेड पे तक के अराजपत्रित कर्मचारी भी पात्र होंगे। अधिकतम 6,908 रुपए बोनसः बोनस की गणना के लिए अधिकतम मासिक वेतन 7,000 रुपए माना जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

केवल योग्यता और मेरिट के आधार पर चयन हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र केवल एक व्यक्ति को नहीं मिलता, बल्कि पूरे परिवार की खुशियां जुड़ी होती हैं। इन वैज्ञानिक अधिकारियों का चयन शासन की शुचिता और भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता का उदाहरण है। अभ्यर्थियों ने बताया कि उनका साक्षात्कार हुआ और उसी दिन शाम तक परिणाम घोषित कर दिया गया। न किसी सिफारिश की जरूरत पड़ी, न लेन-देन हुआ और न ही किसी अनुचित तरीके का सहारा लेना पड़ा। केवल योग्यता और मेरिट के आधार पर चयन हुआ।

सपा के शासनकाल को गुंडागर्दी और दंगों से जोड़ा

जिस निष्पक्षता से मिली नौकरी, उसी ईमानदारी से पीड़ित को न्याय दिलाएं वैज्ञानिक अधिकारीः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 28 वैज्ञानिक अधिकारियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

सीएम ने कहा- फॉरेंसिक साक्ष्यों की शुद्धता और समयबद्धता से सुनिश्चित होगा न्याय

न सिफारिश, न लेनदेन, केवल मेरिट और योग्यता के आधार पर हुआ चयन

योगी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में सपा की चार बार सरकार रही, लेकिन उसकी पहचान गुंडागर्दी, अराजकता, कर्फ्यू और दंगों से बनी। उस समय लोगों के बीच कहावत चलती थी कि जिस गाड़ी पर सपा का झंडा, समझो बैठा है उसमें कोई कुख्यात गुंडा। उन्होंने महिलाओं और व्यापारियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सपा के शासन में बेटियां और व्यापारी सुरक्षित महसूस नहीं करते थे। कोसीकलां, मुजफ्फरनगर, मथुरा, बरेली, संभल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, मेरठ और सहारनपुर के दंगों का जिक्र कर उन्होंने सपा को घेरा। उन्होंने कहा कि रामभक्तों पर गोलियां चलाने वाली सपा और राम मंदिर के मार्ग में बाधा डालने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र की बात कर रही हैं।

कैसे मिलेगा बोनस?

75% रकम PF में जमा होगी: कर्मचारियों को मिलने वाले कुल बोनस का 75% हिस्सा उनके भविष्य निधि (PF) खाते में जमा किया जाएगा।

25% रकम नकद मिलेगी: बोनस की बची हुई 25% रकम कर्मचारियों को नकद दी जाएगी।

PF खाता नहीं है तो NSC या PPF में जमा होगी रकम: जिन कर्मचारियों का PF खाता नहीं है, उनके 75% हिस्से की रकम नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट या पब्लिक प्रोविडेंट फंड में जमा की जाएगी।

राहुल गांधी बोले- बीजेपी ने गोकुल डेयरी चुनाव में नियम बदले

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की गोकुल डेयरी के चुनाव को लेकर BJP पर चुनाव के बाद नियम बदलकर बहुमत छीनने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी बताया। राहुल गांधी ने गुरुवार को X पर लिखा- गोकुल में दूध डेयरी चलाने वालों ने भाजपा को हरा दिया। तो भाजपा ने चुनाव के बाद नियम बदल दिए। 4 डायरेक्टर ठूंसो, 12 को 16 बनाओ, बहुमत चुराओ। गोकुल दूध डेयरी में 19 अक्टूबर को 25 निदेशक पदों के लिए चुनाव हुआ था। इसमें कांग्रेस समर्थित पैनल को 13 और भाजपा नीत महायुति गठबंधन को 12 सीटें मिलीं थीं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी महाराष्ट्र सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार निर्वाचित बोर्ड की संरचना बदलकर चुनावी नतीजे को प्रभावित करना चाहती है।

सीजेपी को देश-विदेश से फंडिंग मिल रही : बीजेपी

कॉकरोच पार्टी प्रवक्ता बोले- साबित करें

चुनौती

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कहा कि अधिकारियों के पास कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके और आशुतोष रांका को विदेशी फंडिंग मिलने के सबूत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अभिजीत को अमेरिका के डोनर से, जबकि आशुतोष को पाकिस्तानी नेताओं से पैसे मिल रहे हैं। इधर, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सौरव दास और आशुतोष रांका से राजौरी गार्डन स्थित क्राइम ब्रांच के ऑफिस में 4 घंटे तक पूछताछ की। उनसे करीब 70 सवाल पूछे गए। CJP प्रवक्ता आशुतोष ने

क्राइम ब्रांच में सौरव-आशुतोष से 4 घंटे तक पूछताछ हुई

जितेंद्र सिंह को चुनौती दी है कि वे उन पर लगे आरोप साबित करें। एक पोस्ट में लिखा है- 'उनसे पूछिए अगर इसमें विदेशी फंडिंग शामिल थी, तो वे हमसे हाथ क्यों मिला रहे थे? हमारे साथ बैठकर चाय-नाश्ता क्यों कर रहे थे।'

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में 3 मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी, दो की हुई मौत

4 घायल, कई लोगों के दबे होने की आशंका, इस साल शहर का छठा बड़ा हादसा

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। NDRF, दिल्ली पुलिस और MCD की टीमें भी रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं।

MCD ने मामले में दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

छत का सपोर्ट सिस्टम हटाते समय गिरी इमारत

MCD के एक अधिकारी के मुताबिक, इमारत का निर्माण चल रहा था, लेकिन करीब 15 दिन पहले काम रोक दिया गया था। हादसे के समय मजदूर छत के नीचे लगे सपोर्ट सिस्टम को हटा रहे थे। इसी दौरान पूरी इमारत ढह गई। अधिकारी ने बताया कि निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री इंजीनियरिंग मानकों के मुताबिक तैयार नहीं थी और ठीक से सेट भी नहीं हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, इसी वजह से इमारत गिरी।

फास्ट न्यूज

टीएमसी विधायक के ऑफिस से 1.02 करोड़ जब्त

नई दिल्ली। बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में तृणमूल कांग्रेस कार्यालय से पुलिस ने 1.02 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है। ये ऑफिस बागी TMC विधायक शमीम अहमद का बताया जा रहा है।

दावा नियुक्ति

एमपी से हरदीप पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुने गए

भोपाल । मध्यप्रदेश से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुन लिए गए हैं। उनके निर्वाचन के साथ प्रदेश में राज्यसभा का संख्या समीकरण बदल गया है। अब 11 सीटों में भाजपा के 9 और कांग्रेस के 2 सांसद हैं।

पुरी के नामांकन में 100 से ज्यादा कमियां होने का दावा करते हुए कांग्रेस ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं। पत्नी के नाम, विदेशी संपत्तियों और बैंक खातों की जानकारी पर सवाल उठाए गए, लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने सभी आपत्तियां खारिज कर दीं।

गोवा-5 लोगों के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने का आदेश

पणजी । बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने चुनाव आयोग (ECI) को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान वोटर लिस्ट से हटाए गए एक परिवार के पांच सदस्यों के नाम दोबारा जोड़ने का आदेश दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि एड्रेस की पुष्टि करने के बाद 10 दिन का समय दिया है।

सरस मेले में सजा ग्रामीण महिलाओं के हुनर का बाजार

शिवबाबा परिसर में 30 से अधिक स्वयं सहायता समूहों ने लगाए स्टॉल

चर्चा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। ग्रामीण महिलाओं के हुनर को बाजार तक पहुंचाने के लिए गुरुवार को अकबरपुर के शिवबाबा परिसर में तीन दिवसीय जनपद स्तरीय सरस मेला-2026 का शुभारंभ हुआ। एमएलसी हरिओम पांडेय और कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। मेले में 30 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं। यहां हस्तशिल्प, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, खाद्य पदार्थ और स्थानीय उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।शुभारंभ के बाद दोनों जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने समूह की महिलाओं से उत्पादों की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया और बिक्री के बारे में जानकारी ली। हरिओम पांडेय ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

अंबाला में 600 करोड़ के म्यूजियम का लोकार्पण किया, कहा- हरियाणा नंबर वन

राहुल अराजकता फैला रहे, चौराहे पर डिबेट का न्योता : अमित शाह

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

करनाल । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंबाला में 600 करोड़ रुपए की लागत से बने 1857 की क्रांति के शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने गांधी मैदान में रैली को संबोधित किया। अंबाला की रैली में उनका पूरा फोकस हरियाणा की विकास योजनाओं के बारे में रहा। यहां उन्होंने सीएम सैनी की तारीफ करते हुए कहा- हरियाणा की सरकार अपने सारे वादे पूरे कर रही है। अपने भाषण में उन्होंने कई बार 'मेरा हरियाणा' कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, "MSP पर 24 फसलें खरीदने वाला देश का पहला राज्य हरियाणा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला भी हरियाणा। उन्होंने म्यूजियम को लेकर मंत्री अनिल विज की भी तारीफ करते हुए कहा- इन्हें लोग सालों-साल याद रखेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

करनाल में गृहमंत्री अमित शाह ने पदयात्रा की, इसके बाद अंबाला में जनसभा को संबोधित किया, इस दौरान सीएम सैनी ने उन्हें म्यूजियम का मोमेंटो भेंट किया।

गृहमंत्री शाह ने अंबाला में 600 करोड़ रुपए की लागत से बने म्यूजियम का लोकार्पण किया

करनाल में गृहमंत्री की पदयात्रा केवल 150 मीटर की रही। पहले इसका रूट 1.4 किलोमीटर का था।

पदयात्रा में शाह के एक ओर पूर्व सीएम खट्टर तो दूसरी ओर सीएम नायब सैनी झंडा लेकर चले।

शाह ने कहा- खेलों की तालिका में हरियाणा टॉप

अमित शाह ने कहा कि हरियाणा की इसी वीर भूमि पर महाराजा अग्रसेन ने प्रशासन का भारतीय मॉडल दिया। यहीं राजा नाहर सिंह और राव तुलाराम ने आजादी की लड़ाई लड़ी। उसी वीर परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज सेना में देश के किसी भी प्रदेश के मुकाबले सबसे ज्यादा जवान हरियाणा से हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय खेलों में पदकों की तालिका बनती है और भारत की रैंकिंग धीरे-धीरे ऊपर आती है, तो भारत में नंबर वन स्थान हरियाणा का होता है।

सुनवाई : प्रदर्शनकारियों और पुलिस पर हमले के पर्याप्त सबूत नहीं, जांच कमेटी किसी नतीजे तक नहीं पहुंची

जंतर-मंतर हिंसा मामले में कम शिकायतें मिलीं : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की ज्यादती की जांच कर रही कमेटी को अब तक बहुत कम शिकायतें मिली हैं। पर्याप्त सामग्री नहीं होने के कारण कमेटी फिलहाल किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली हाई पावर्ड इन्क्वायरी कमेटी ने कोर्ट को बताया कि शिकायतों के लिए पोर्टल और ईमेल की व्यवस्था करने के बावजूद लोगों ने बहुत कम शिकायतें दर्ज कराईं। 29 अक्टूबर को कमेटी की बैठक में सिर्फ एक शिकायतकर्ता हलफनामे के साथ पहुंचा था। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश एडवोकेट वृंदा ग्रोवर ने कहा कि उन्होंने पोर्टल शुरू होने से पहले ही कमेटी को शिकायत दी थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को पीड़ितों की ओर से दाखिल वीडियो, याचिकाएं और हलफनामे कमेटी को भेजने की अनुमति दी। साथ ही निर्देश दिया कि कमेटी संबंधित पक्षों से जवाब लेकर नियमित अंतराल पर अंतरिम रिपोर्ट पेश करे।

149 अखबारों में नोटिस, 21 अक्टूबर को दोबारा शिकायतें मांगीं

कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया था। इस पर शिकायतकर्ता को नाम, आधार नंबर या दूसरी पहचान संबंधी जानकारी देना जरूरी नहीं है। पोर्टल तक पहुंच सिर्फ कमेटी के चेयरमैन और संबंधित लोगों की है। कमेटी ने देशभर के 149 अखबारों में सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित कर शिकायतें आमंत्रित की थीं। ईमेल, डाक और कार्यालय में सीधे शिकायत देने की सुविधा भी रखी गई थी। 17 अक्टूबर को प्रेस रिलीज जारी की गई और 21 अक्टूबर को दोबारा शिकायतें मांगी गईं। इसके बावजूद पोर्टल पर बहुत कम शिकायतें आईं और ईमेल, डाक या सीधे कार्यालय में कोई शिकायत नहीं मिली।

जंतर-मंतर हिंसा
सुप्रीम कोर्ट के 5 निर्देश

1. याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट में दाखिल सभी याचिकाएं, हलफनामे, वीडियो क्लिप और हिंसा से जुड़े दूसरे सबूत कमेटी को भेजें।
2. याचिकाकर्ताओं की ओर से पीड़ितों के संबंध में भेजे गए दस्तावेजों और जानकारियों पर भी कमेटी विचार करे।
3. कमेटी अब तक मिली सामग्री के आधार पर संबंधित पक्षों से उनका पक्ष मांगे और जांच आगे बढ़ाए।
4. कमेटी उपलब्ध सबूतों की जांच करके रिपोर्ट दे कोर्ट ने नियमित अंतराल पर अंतरिम रिपोर्ट पेश करने को भी कहा।
5. कमेटी नई शिकायतों का अनिश्चितकाल तक इंतजार करने के बजाय अब तक मिली सामग्री के आधार पर जांच शुरू करे और निष्कर्ष तक पहुंचे।

वोटर लिस्ट होगी अपडेट छह और राज्यों-यूटी में एसएसआर

30 नवंबर को ड्राफ्ट, जनवरी में फाइनल लिस्ट आएगी

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने गुरुवार को 6 और राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट के स्पेशल समरी रिवीजन की घोषणा की है। इनमें अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम शामिल हैं।

इन जगहों पर 30 नवंबर को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी होगा, जबकि फाइनल लिस्ट 21 जनवरी 2027 को प्रकाशित की जाएगी। इस प्रक्रिया में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के साथ 2027 में 18 साल के होने वाले युवाओं से भी एडवांस आवेदन लिए जाएंगे। इससे पहले 15 अक्टूबर को चुनाव आयोग ने 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SSR कराने का ऐलान किया था। इनमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्य शामिल हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

राज्यों को कर्मचारियों और संसाधनों की व्यवस्था करने के निर्देश

ठेकेदार का काम खराब हुआ तो रगड़ दूंगा, 100% एथेनॉल वाली इनोवा लॉन्च होगी

यूपी में 2 लाख करोड़ से नई सड़कें बनाएंगे : गडकरी

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर । जौनपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- मैं किसान हूं। चार चीनी मिलें चलाता हूं। मेरे इलाके के 10 लोकसभा क्षेत्रों में कोई मेरी फोटो लगाए बिना जीतता नहीं। सभी मेरी फोटो लगाते हैं।

उन्होंने कहा- अब हमारा किसान अन्नदाता नहीं ऊर्जादाता होगा। मैं इसी महीने टोयोटा की इनोवा लॉन्च कर रहा हूं। यह किसानों के बनाए एथेनॉल से चलेगी। वह गाड़ी 100% एथेनॉल पर चलेगी।

गुरुवार को नितिन गडकरी जौनपुर पहुंचे थे। यहां 3,677 करोड़ रुपए की 2 परियोजनाओं का शिलान्यास, 3 का भूमि पूजन और 3 का लोकार्पण किया। इसके बाद मुंगराबाद-शाहपुर में सार्वजनिक इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित किया।

गडकरी करीब 1.30 बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचे। कॉलेज परिसर में बने हेलीपैड पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने स्वागत किया। इसके बाद वो खुली ई- कार से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। वो करीब 2 घंटे जिले में रहे। ट्रांसपोर्ट मंत्री हूं। मैंने टीवीएस, हीरो और होंडा की कई मोटरसाइकिलें लॉन्च की हैं, जो किसानों के बनाए एथेनॉल से चल रही हैं।

मेरे पास इलेक्ट्रिक कार भी है और हाइड्रोजन से चलने वाली कार भी है। उसका नाम मिराई है। जिसका जापानी भाषा में अर्थ भविष्य होता है। वह गाड़ी मर्सिडीज से भी अच्छी है। मैं जो कहता हूं, वह करता हूं और जो करता हूं, उसे डंके की चोट पर बताता हूं। मैं खेती के क्षेत्र में ही काम करता हूं। किसानों से जुड़े कामों के लिए मेरे पास 10 डॉक्टरेट की डिग्रियां हैं। हम पेट्रोल-डीजल के आयात पर हर साल 22 लाख करोड़ रुपए देश से बाहर भेजते हैं। यह पैसा बचेगा तो देश के किसानों के काम आएगा।

जौनपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 3,677 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

गडकरी ने ठेकेदारों को चेताया-मैं ठेकेदारों को बता देना चाहता हूं कि मैंने किसी भी ठेकेदार से एक पैसा नहीं लिया है। अगर काम खराब होगा तो ऐसा रगड़ देंगे कि दोबारा कोई काम नहीं कर सकोगे।

कोई ठेकेदार खराब काम करेगा, तो रगड़ दूंगा

मैं ठेकेदारों को बता देना चाहता हूं कि मैंने किसी भी ठेकेदार से एक पैसा नहीं लिया है। अगर काम खराब होगा तो ऐसा रगड़ देंगे कि दोबारा कोई काम नहीं कर सकोगे। काम ईमानदारी और अच्छी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। अगर काम अच्छा नहीं होगा तो ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मैं अपने ऑफिस से ही कामों का रिव्यू करता हूं। छोटी-छोटी बातों का निरीक्षण करता हूं। काम की गुणवत्ता की रिपोर्ट सैटेलाइट से मेरे पास आती है। कोई बदमाशी करेगा तो बचेगा नहीं। कोई यह नहीं कह सकता कि उसे किसी को रिश्वत देनी पड़ेगी।

नितिन गडकरी के कार्यक्रम के मंच पर 25 कुर्सियां लगाई गई थीं।

किसान हाइड्रोजन दाता बनेंगे, गरीबी दूर होगी

आने वाले समय में शक्कर, ज्वार, मक्का और गेहूं से किसानों की तरक्की होगी। किसान ही हवाई जहाज के लिए ईंधन बनाने का काम करेंगे। ये किसान अब हाइड्रोजन दाता बनने वाले हैं। इससे गरीबी दूर होगी। जब हमने मक्के से एथेनॉल बनाने का फैसला लिया तो उसका रेट 2,600 रुपए प्रति क्विंटल किया। इससे यूपी और बिहार के किसानों को 45 हजार करोड़ रुपए मिले।

लोधेश्वर महादेव और रानीगंज में जल्द बनेगा रोडवेज बस का स्टॉपेज

तमसा संकेत, संवाददाता

- अधिकारियों ने दिया आश्वासन
- मुख्यमंत्री ग्रामीण जनता बस सेवा का लाभ अब ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को मिलने की जगी उम्मीद, लंबे समय से की जा रही थी स्टॉपेज की मांग

सूरतगंज (बाराबंकी)। सुप्रसिद्ध पौराणिक तीर्थस्थल लोधेश्वर महादेव और रानीगंज के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। लखनऊ से दौलतपुर तक संचालित मुख्यमंत्री ग्रामीण जनता बस सेवा के तहत परिवहन निगम की बस का जल्द ही लोधेश्वर महादेव और रानीगंज में स्टॉपेज बनाया जाएगा। परिवहन निगम के अधिकारियों ने इस संबंध में आश्वासन देते हुए कहा है कि जल्द आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे स्थानीय ग्रामीणों के साथ ही लोधेश्वर महादेव में दर्शन-पूजन और जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भी बड़ी राहत मिलेगी। जानकारी के अनुसार कैसरबाग डिपो की परिवहन निगम बस संख्या UP78 FN 2659 लखनऊ से दौलतपुर तक वाया रामनगर, लोधेश्वर महादेव, रानीगंज और सूरतगंज होकर संचालित की जा रही है। हालांकि, रामनगर से सूरतगंज के बीच निर्धारित स्टॉपेज नहीं होने के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों को इस बस सेवा का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा था। बस मार्ग से होकर गुजरने के बावजूद यात्रियों को चढ़ने-उतरने की सुविधा नहीं मिल पा रही थी। इससे स्थानीय लोगों और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था। गौरतलब है कि लोधेश्वर महादेव मंदिर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां पूरे वर्ष श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में बदलते मौसम ने बिगाड़ी सेहत

गोरखपुर । गोरखपुर में ठंड की शुरुआत और बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। इन दिनों सर्दी, जुकाम, बुखार, पेट दर्द और उल्टी- दस्त के मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

जिला अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. बीके सुमन ने बताया कि मेडिसिन ओपीडी में सामान्य दिनों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक पेशेंट पहुंच रहे हैं।

गोरखपुर होकर चलेंगी दो और स्पेशल ट्रेन

गोरखपुर । दीपावली और छठ के बाद यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दो और त्योहार स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इनमें मुजफ्फरपुर से आनंद विहार टर्मिनस के बीच चलने वाली ट्रेन गोरखपुर होकर दो फेरे लगाएगी। वहीं, सरहिंद से सहरसा के बीच चलने वाली अनारक्षित त्योहार स्पेशल ट्रेन भी गोरखपुर होकर तीन फेरे लगाएगी। मुजफ्फरपुर-आनंद विहार ट्रेन 21 और 28 नवंबर को मुजफ्फरपुर से चलेगी, जबकि वापसी में 22 और 29 नवंबर को आनंद विहार से रवाना होगी। दूसरी ओर, सरहिंद-सहरसा ट्रेन 5, 9 और 12 नवंबर को सरहिंद से तथा 6, 10 और 13 नवंबर को सहरसा से चलेगी।

पुस्तक के कवर का लोकार्पण

गोरखपुर । गोरखपुर के संत सौरभ पर आधारित विश्व साहित्य लेखन वर्ल्ड रिकॉर्ड साहित्यिक अभियान के 57वें दिन 57वीं पुस्तक 'सद्भाव शिखरः संत सौरभ' के कवर का लोकार्पण किया गया। पुस्तक के लेखक डॉ. सत्यवीर सिंह 'निराला' हैं। पुस्तक में सौहार्द शिरोमणि संत डॉ. सौरभ जी महाराज के जीवन दर्शन, विचारों और मानवतावादी संदेश को प्रस्तुत किया गया है।

सूरतगंज में धान क्रय केंद्र चालू करने की मांग, मुआवजे की भी उठी मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों को लेकर गुरुवार को सूरतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष निर्मल वर्मा ने की, जबकि संचालन ब्लॉक महामंत्री प्रवेश कुमार गौतम ने किया। बैठक में धान खरीद केंद्र को लेकर किसानों की परेशानी और बारिश व तेज हवाओं से खराब हुई फसलों का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। बैठक के दौरान ब्लॉक महामंत्री प्रवेश कुमार गौतम ने बताया कि इस वर्ष धान खरीद के लिए सूरतगंज में क्रय केंद्र स्थापित न करके सैदनपुर में संचालित किए जाने की सूचना मिली है। सैदनपुर रामनगर ब्लॉक के निकट स्थित है, जिससे सूरतगंज क्षेत्र के किसानों को धान बेचने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ सकती है। इस मुद्दे पर मौजूद किसानों ने चर्चा करते हुए नाराजगी जताई। किसानों का कहना था कि सूरतगंज क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर क्रय केंद्र की व्यवस्था न होने से उन्हें अपनी उपज बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। किसान नेताओं ने मांग की कि किसानों की सुविधा को देखते हुए सूरतगंज में ही धान क्रय केंद्र संचालित कराया जाए, ताकि उन्हें दूर-दराज के केंद्रों के चक्कर न लगाने पड़ें।

इसके अलावा बैठक में बेमौसम बारिश और तेज हवाओं के चलते खराब हुई धान की फसल का मुद्दा भी उठाया गया। किसान नेताओं ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण कई किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है।

6 दिसंबर को पूरा लखनऊ भर देंगे : मायावती

रैली सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी, बैठक से पहले पोस्टर लगे 'दोगलों से सावधान'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को लखनऊ में बड़ी बैठक की। उन्होंने पदाधिकारियों को 1 घंटे तक चुनाव में जीत का मंत्र दिया। बैठक में फैसला लिया गया कि मायावती 6 दिसंबर को डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर लखनऊ में बड़ी रैली करेंगी।

मायावती ने कहा- यह रैली ऐतिहासिक होगी। अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ेगी। उस दिन हम मैदान (अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल) ही नहीं, बल्कि पूरे लखनऊ को लोगों से भर देंगे।

बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव के लिए घोषित हो चुके प्रत्याशियों और दावेदारों पर भी चर्चा हुई। आगामी 1 महीने में पार्टी के कार्यक्रमों और आकाश आनंद की रैलियों में भीड़ इकट्ठा करने को लेकर भी मंथन हुआ।

ससे पहले बैठक में मायावती के भतीजे आकाश आनंद भी शामिल हुए। उन्होंने पैर छूकर बुआ आशीर्वाद लिया। पार्टी ऑफिस के पास बसपा समर्थकों ने 'दोगलों से सावधान' लिखे पोस्टर लगाए।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बैठक के बाद मायावती दिल्ली जा सकती हैं। वहां उन्हें सरकार की ओर से आवंटित आवास का कब्जा लेना है। इसके अलावा वह अपनी छोटी बहन की बेटी की शादी में भी शामिल होंगी।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार, राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा और आजमगढ़ की मंडल कोऑर्डिनेटर इंदु सिंह समेत करीब 550 पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें राज्य इकाई के सभी स्तर के पदाधिकारी और सभी 75 जिलों के अध्यक्ष शामिल हुए।

बसपा अब तक करीब 100 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। मायावती ने नवंबर तक अधिकतर सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में इस प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा हुई।

पार्टी ऑफिस के बाहर यह पोस्टर लगा है, जिसमें दोगलों से सावधान रहने की सलाह दी गई।

चंद्रशेखर और मायावती की रैली से बढ़ेगा सियासी पारा

आजाद समाज पार्टी (ASP) प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर मैदान में 26 नवंबर को शक्ति प्रदर्शन दिखाने की तैयारी में है। रमाबाई मैदान की क्षमता लगभग 5 लाख है। अभी तक इस मैदान को सिर्फ मायावती ही भर पाई हैं। चंद्रशेखर ने इस मैदान को 3 दिन के लिए बुक किया है। इस रैली में ASP और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के गठबंधन का ऐलान भी हो सकता है।

अब मायावती ने 'पूरे लखनऊ को भर देंगे' वाले बयान से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। बसपा और ASP की रैलियों को दलित राजनीति में दोनों दलों के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। मायावती ने आज की बैठक में रैली की तैयारियों पर भी चर्चा की। पदाधिकारियों को अलग-अलग जिलों से कार्यकर्ताओं को लाने, भीड़ जुटाने और रैली की व्यवस्थाएं संभालने की जिम्मेदारी तय की गई।

3 महीने से सड़क पर भरा पानी, बोला- गंदे पानी की आ रही सप्लाई

वाराणसी में गंदे पानी में बैठकर अर्धनग्न प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी नगर निगम के सूजाबाद-डोमरी वार्ड के पड़ाव-बहादुरपुर मार्ग पर जलकल की पाइप लीकेज होने से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। इस दिक्कत से परेशान होकर गुरुवार की दोपहर स्थानीय पंकज कुमार यादव ने अर्धनग्न होकर पानी में बैठकर विरोध किया।

इस दौरान पंकज ने बताया की हमने कई बार सभी विभागों को लेटर दिया। पार्षद से कहा पर समस्या का समाधान नहीं हुआ। पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से घरों में गंदा पानी आ रहा है। हमें वहीं इस्तेमाल करना पड़ रहा है। ऐसे में हमारी मांग है की इसे जल्द से जल्द सही किया जाए।

पंकज ने बताया - पार्षद यही कहते हैं हो जाएगा, हो जाएगा। दिवाली का त्यौहार है। इसके बाद छठ पूजा है और इसके पहले जीउतिया (जीवितपुत्रिका) पूजा बीता है। सारी माताएं-बहनें इसी में से लोग आते-जाते हैं।

हिंदू धर्म के, मुसलमान धर्म के भाई लोग नमाज़ पढ़ने के लिए इसी गंदे पानी में से आना-जाना होता है। चार विद्यालय हैं। बच्चों इसी तरीके से पैदल आ रहे हैं, जा रहे हैं। गार्जियन हैं, उनको जूता-मोजा दिला रहे हैं। लेकिन इसी पानी में से उनका डेली आवागमन हो रहा है।

रोड होती जा रही है खोखली

पंकज ने बताया - यह पड़ाव से लेके बहादुरपुर वाला मुख्य मार्ग है। और हम लोगों ने सारे अधिकारियों को सूचना दे दिया, अवगत करा दिया गया है, लेकिन यह लोग काम करने का नाम नहीं ले रहे हैं। आगे जल निगम की पाइप लीकेज है, जो कि नीचे-नीचे रोड पोल (खोखला) होता जा रहा है। ऊपर से किसी दिन बड़ा हादसा हो जाएगा, कोई ट्रक बैठ जाएगा लेकर। यह अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। यह 3 महीने से यहां पानी भरा हुआ है। यहां के व्यापारी काफी परेशान हैं। यहां के क्षेत्र के लोग काफी परेशान हैं।

गोरखपुर नगर निगम की डीसीएम ने महिला को रौंदा, मौत

गोरखपुर । गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर नगर निगम की डीसीएम गाड़ी ने सड़क पर जा रही एक महिला को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग जुट गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से महिला को एक कांस्टेबल के साथ जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान चिलुआताल थाना क्षेत्र के झुंगिया बाजार की रहने वाली अनीता (35) के रूप में हुई है। घटना गुरुवार दोपहर करीब 12:15 बजे असुरन चौराहे के सामने हुई। जानकारी के मुताबिक, नगर निगम की डीसीएम (UP53JT6008) कौव्वाबाग की तरफ से आ रही थी। इसी दौरान चौराहे के पास गाड़ी ने अनीता को टक्कर मार दी।

लाखों की लागत से बना नाला, ढहने के कगार पर पहुंचा हिस्सा

बैंक ऑफ इंडिया के पास निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। कस्बे में विकास कार्यों की गुणवत्ता और निर्माण के बाद उनकी निगरानी को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। महादेवा-सूरतगंज मार्ग के उत्तरी तरफ बैंक ऑफ इंडिया के पास करीब चार वर्ष पूर्व लाखों रुपये की लागत से बनवाया गया नाला अब जर्जर हालत में पहुंच गया है। नाले का एक हिस्सा इस कदर कमजोर हो चुका है कि वह कभी भी ढह सकता है। नाले की मौजूदा स्थिति को देखकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस नाले का निर्माण क्षेत्र में जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कराया गया था। निर्माण के समय इस पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन महज चार वर्षों के भीतर ही नाले का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में पहुंच गया है। नाले की दीवार और किनारों में कमजोरी दिखाई दे रही है। स्थिति यह है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं कराई गई तो नाले का कमजोर हिस्सा ढहकर पास में स्थित किसान के खेत की तरफ गिर सकता है। इससे खेत को नुकसान हो सकता है। स्थानीय कमलेश, सोनू, बृजेश, सर्वेश, अमन , सुरेंद्र, आदि लोगों का कहना है कि सरकारी धन से कराए जाने वाले विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। निर्माण पूरा होने के बाद जिम्मेदार अधिकारियों को उसकी स्थिति पर भी नजर रखनी चाहिए, ताकि कुछ ही वर्षों में सरकारी धन से बनी संरचनाएं जर्जर न हों।

घटना : एनआईसीयू में भर्ती था बच्चा, उसे डिस्चार्ज न करने से थी परेशान

बीएचयू अस्पताल में महिला ने की खुदखुशी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल अस्पताल में एक महिला ने सुसाइड कर लिया। गुरुवार सुबह 8 बजे बाल रोग विभाग में ऑक्सीजन प्लांट के पास उसका शव लटका मिला।

महिला सोनभद्र से अपने नवजात बेटे का इलाज कराने आई थी। 28 अक्टूबर को उसने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। जन्म के बाद से ही नवजात NICU में भर्ती था।

परिजनों का कहना है कि महिला बच्चे को घर ले जाना चाहती थी, लेकिन डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत के चलते डिस्चार्ज करने से मना कर दिया था। इसके बाद से वह तनाव में थी।

महिला की सास मनसिया ने बताया कि 4 नवंबर की रात निक्की बच्चे को घर ले जाने की जिद कर रही थी। डॉक्टरों ने नवजात की नाजुक हालत देखते हुए उसे डिस्चार्ज करने से मना कर दिया।

इसके बाद से वह मानसिक तनाव में थी। बुधवार रात करीब 10 बजे सभी ने साथ खाना खाया था। इसके बाद निक्की अचानक वार्ड से लापता हो गई। पति रामविलास और सास ने रातभर अस्पताल परिसर में उसकी तलाश की। गुरुवार सुबह बाल रोग विभाग के पास सिक्योरिटी गार्ड ने ऑक्सीजन प्लांट के बगल में उसका शव फंदे से लटका मिला। इसके बाद परिजनों को सूचना दी।

सूचना पर बीएचयू चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेज दिया गया है। एसीपी गौरव कुमार ने बताया कि सास के बयान के आधार पर जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। जांच के बाद ही घटना की वजह स्पष्ट होगी।

सोनभद्र से इलाज के लिए आई थी महिला

सोनभद्र के अनपरा क्षेत्र के धनवाहा गांव की रहने वाली निक्की (27) को लोढ़ी अस्पताल से BHU रेफर किया गया था। 28 अक्टूबर को अस्पताल पहुंचने के बाद उसने बेटे को जन्म दिया। जन्म के समय बच्चे की हालत गंभीर थी। डॉक्टरों ने उसे NICU के बेड नंबर- पर भर्ती कर दिया।

नितिन नवीन के सामने विधायक का छलका दर्द

बोले- मेरे जिले में जिलाध्यक्ष समन्वय नहीं बनाते

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन जनप्रतिनिधियों और पूर्व पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में क विधायक ने कहा- उनके जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष समन्वय नहीं बनाते। इसे प्रदेश संगठन मंत्री ने नोट किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सभी का मूल्यांकन उनके काम से होगा।

इससे पहले गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य ने वैदिक विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। गोरखनाथ मंदिर से निकलने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के घर पहुंचे। वहां से केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान के आवास पर गए।

यहां पूर्व सांसद एवं कमलेश पासवान की माता सुभावती पासवान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। यहां से एनेक्सी भवन चले गए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एनेक्सी भवन में पूर्व पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पूर्व पदाधिकारियों ने कहा कि कार्यकर्ता इतनी मेहनत करते हैं लेकिन जब टिकट का समय आता है तो उन्हें टिकट नहीं मिल पाता है। इस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान है। सभी लोग चुनाव में जुटिये, कार्यकर्ताओं का ध्यान रखा जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर जमीनी हकीकत के बारे में जाना।

जनगणना की स्वगणना शुरू, 30 नवंबर तक ऑनलाइन विवरण भरने का मौका

16 नवंबर से घर बैठे खुद दर्ज कर सकेंगे परिवार का ब्योरा

गणना

- एक दिसंबर से प्रगणक घर-घर जाकर करेंगे
- गणना जागरूकता के लिए 14 दिन की थीम तय

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके तहत जिले के लोग 16 से 30 नवंबर तक घर बैठे ऑनलाइन स्वगणना कर सकेंगे। इसके लिए आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर परिवार से जुड़ी निर्धारित जानकारी दर्ज करनी होगी। स्वगणना की अवधि पूरी होने के बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनगणना करेंगे। पांच से नौ जनवरी तक पुनरीक्षण का काम होगा।

जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक हुई। इसमें स्वगणना और घर-घर गणना की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा जिला जनगणना अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने बताया कि स्वगणना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 16 से 29 नवंबर तक प्रतिदिन अलग-अलग वर्गों को जोड़ने की योजना बनाई गई है। प्रत्येक दिवस के लिए थीम और नोडल अधिकारी तय किए गए हैं। 22 नवंबर को बैंक, रेलवे, डाकघर, कोषागार और वित्तीय संस्थानों के कर्मचारियों को जागरूक किया जाएगा। 23 नवंबर को शिक्षा दिवस के तहत स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई और कोचिंग संस्थानों में प्रचार होगा। 24 नवंबर को स्वास्थ्य दिवस पर स्वास्थ्य विभाग, आईएमए, नर्सिंग होम एसोसिएशन और आयुष संस्थानों को जोड़ा जाएगा।

14 दिन, 14 वर्गों तक पहुंचेगा जागरूकता अभियान

स्वगणना के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 16 नवंबर को राजस्व एवं प्रशासन दिवस से अभियान शुरू होगा। इस दिन विभागाध्यक्षों, कार्यालयाध्यक्षों, सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को स्वगणना के लिए प्रेरित किया जाएगा। 17 नवंबर को स्थानीय शासन एवं ग्रामीण विकास दिवस पर नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों, जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायतों और ग्राम प्रधानों को जोड़ा जाएगा। 18 नवंबर को युवा, खेल, सामुदायिक संस्थान एवं मीडिया दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत खेल क्लबों, स्टेडियम, एनएसएस, एनसीसी और मीडिया संस्थानों के माध्यम से प्रचार किया जाएगा। 19 नवंबर को पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तियों और आवासीय कल्याण समितियों, जबकि 20 नवंबर को न्यायिक दिवस के तहत न्यायपालिका और बार एसोसिएशन के सदस्यों को अभियान से जोड़ा जाएगा। 21 नवंबर को पुलिस, पीएसी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के लिए वर्दीधारी बल दिवस निर्धारित किया गया है।

घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक, फिर होगा विवरण का सत्यापन

स्वगणना के बाद एक दिसंबर से प्रगणक घर-घर जाकर परिवारों से निर्धारित विवरण प्राप्त करेंगे। यह कार्य चार जनवरी 2027 तक चलेगा। इसके बाद पांच से नौ जनवरी तक पुनरीक्षण चरण में दर्ज जानकारियों की जांच और आवश्यक सत्यापन किया जाएगा।

25 नवंबर को उद्योग एवं परिवहन दिवस के तहत दुकानदारों, व्यापारियों, मंडी कारोबारियों, होटल और परिवहन व्यवसायियों तक संदेश पहुंचाया जाएगा। 26 नवंबर को महिला एवं स्वयं सहायता समूह दिवस पर आंगनबाड़ी केंद्रों और आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से महिलाओं तथा परिवारों को जागरूक किया जाएगा।

दीपों की रोशनी से जगमगाया श्रवण धाम, गंगा आरती के साथ मना उत्सव

- विधायक धर्मराज निषाद ने किया शुभारंभ
- स्वच्छता व नदी संरक्षण का संदेश लेकर संपन्न हुआ आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

दीपदान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने खींचा ध्यान

अंबेडकरनगर। कटेहरी क्षेत्र स्थित श्रवण धाम बुधवार को गंगा उत्सव के रंग में नजर आया। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत यहां दीपदान, गंगा आरती, स्वच्छता अभियान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्सव के जरिए लोगों को नदियों और जल स्रोतों को स्वच्छ रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने किया। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष दीपिका साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। अध्यक्षता प्रभागीय वन अधिकारी जगदंबिका प्रसाद ने की। शिक्षिका प्रियंका तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कुमारी कन्या विद्या मंदिर, श्रवण धाम की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद दीपदान और गंगा आरती का आयोजन हुआ। दीपों से सजे परिसर में आरती के दौरान श्रद्धालु और स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान के माध्यम से जल स्रोतों को साफ रखने और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने पर जोर दिया गया।

आयोजन में क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रभात वर्मा और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन से सत्यम श्रीवास्तव सहित क्षेत्र के ग्राम प्रधान और स्थानीय लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने नदियों और जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता बताई। लोगों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई।

फास्ट न्यूज

गैर-जमानती वारंट जारी होने पर चोरी का आरोपी गिरफ्तार

अंबेडकरनगर। न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के अनुपालन में मालीपुर पुलिस ने बृहस्पतिवार को चोरी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे कैथी नसीरपुर गांव से पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान कैथी नसीरपुर निवासी सोनू उर्फ अवनीश तिवारी (37) के रूप में हुई है।

गैस कनेक्शन की केवाईसी के लिए तीन दिन का मौका

अंबेडकरनगर। एलपीजी कनेक्शन की केवाईसी पूरी कराने के लिए जिले में तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पांच से सात नवंबर तक सभी 44 गैस एजेंसियों पर शिविर लगाकर छूटे हुए उपभोक्ताओं की केवाईसी कराई जाएगी। जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, वे अपनी संबंधित गैस एजेंसी पर पहुंचकर इसे पूरा करा सकते हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि शिविर जिले की तीनों तेल कंपनियों की एजेंसियों पर आयोजित होंगे। इनमें इंडियन ऑयल की 14, भारत पेट्रोलियम की 18 और हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 12 एजेंसियां शामिल हैं।

पीवीसी कारोबारी के घर खिड़की तोड़कर की थी चोरी

आगरा। आगरा के कमला नगर क्षेत्र में घर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पुलिस ने खुलासा किया है। कमला नगर थाना पुलिस, सर्विलांस सेल और एसओजी नगर जोन की संयुक्त टीम ने गैंग के दो पुरुष और एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के समेत अन्य सामान बरामद किया गया है।

ग्रामसभा की जमीन पर कब्जा पड़ा भारी शेर अली को बेदखली का आदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

- टांडा तहसीलदार ने महेशपुर में नवीन परती भूमि के मामले में सुनाया फैसला, 2,880 रुपये क्षतिपूर्ति और 10 रुपये निष्पादन व्यय भी लगाया

अम्बेडकरनगर। ग्रामसभा की जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में टांडा तहसीलदार गरिमा भार्गव ने आदेश दिया है। महेशपुर गांव में नवीन परती की 0.006 हेक्टेयर भूमि पर कब्जे के मामले में शेर अली को बेदखल करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही 2,880 रुपये क्षतिपूर्ति और 10 रुपये निष्पादन व्यय जमा करने का आदेश दिया गया है। फैसला 27 अक्तूबर 2026 को सुनाया गया। मामला महेशपुर गांव के गाटा संख्या 277 की कुल 0.013 हेक्टेयर नवीन परती भूमि से जुड़ा है। शेर अली पुत्र मकबूल अहमद पर इसमें से 0.006 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा करने का आरोप था। भूमि प्रबंध समिति और क्षेत्रीय लेखपाल ने छह सितंबर 2025 को अपनी रिपोर्ट में कब्जे की पुष्टि की थी। राजस्व निरीक्षक ने भी जांच के बाद रिपोर्ट को सही पाया। इसके बाद मामला दर्ज कर शेर अली को नियमानुसार नोटिस जारी किया गया। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। ग्रामसभा की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि संबंधित भूखंड राजस्व अभिलेखों में ग्रामसभा की सुरक्षित भूमि के रूप में दर्ज है। लंबे समय तक कब्जा करने से उस पर स्वामित्व का अधिकार नहीं मिल सकता।

गरीबों, दलितों और पिछड़ों की आवाज को चुनावी ताकत बनाने की तैयारी

सदरपुर में सेक्टर स्तरीय बैठक में संगठन मजबूत करने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी ने कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने और चुनावी तैयारियों में जुटने का संदेश दिया। सदरपुर गांव में आयोजित सेक्टर स्तरीय बैठक में पार्टी के अयोध्या मंडल के मुख्य जोन प्रभारी दिलीप कुमार विमल ने कार्यकर्ताओं से बसपा को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में पार्टी को पूर्ण बहुमत दिलाकर मायावती को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाना है।

दिलीप कुमार विमल ने कहा कि बसपा ने देशभर में गरीबों, मजदूरों, दलितों और पिछड़ों की आवाज उठाई है। उनका आरोप था कि दूसरे राजनीतिक दलों ने इन वर्गों का वोट लेकर सत्ता हासिल की, लेकिन इनके विकास के लिए ठोस योजनाएं लागू नहीं कीं। आजादी के इतने वर्षों बाद भी गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को दूर करने के लिए बसपा को राजनीतिक रूप से मजबूत करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि बसपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में लाखों लोगों को सरकारी नौकरी दी गई। मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ अन्य सरकारी शिक्षण संस्थानों की स्थापना कराई गई। इसके अलावा बहुजन समाज में जन्मे संतों, गुरुओं और महापुरुषों के सम्मान में लखनऊ सहित कई जिलों में स्मारक बनवाए गए। बैठक की अध्यक्षता बसपा जिलाध्यक्ष सुनील सावंत ने की। संचालन जिला सचिव राधेश्याम राजभर ने किया। इसमें अकबरपुर विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र भारती, डॉ. शचींद्र वर्मा, जयप्रकाश सैनी, संदेश भारती, ग्राम प्रधान आज्ञाराम, आफताब आलम, रामलखन विश्वकर्मा, पूर्व ग्राम प्रधान पारसनाथ, सुरेंद्र कुमार, अजीत वर्मा, धनीराम कन्नौजिया, राजित राम विश्वकर्मा, शारदा देवी, ममता देवी, प्रभावती देवी, मोहम्मद जुम्मन, मोहम्मद हसीद, बंशराज, शिव प्रकाश, मंशाराम, अखिलेश कुमार और मोतीलाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जिले में 12 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र बदले, एसपी ने जारी किया आदेश

पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक के बाद तबादले

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले की पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए 12 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र बदल दिए गए हैं। इनमें एक उपनिरीक्षक, दो मुख्य आरक्षी और नौ आरक्षी शामिल हैं। पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बृहस्पतिवार को स्थानांतरण आदेश जारी किया। सभी पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालने का निर्देश दिया गया है। तबादला सूची में सबसे अधिक बदलाव बसखारी थाने से जुड़े हैं। महिला उपनिरीक्षक पूजा शुक्ला को पुलिस लाइन से बसखारी थाने भेजा गया है। मुख्य आरक्षी विनय कुमार मिश्रा को बसखारी से राजेसुल्तानपुर और मुख्य आरक्षी अजय सिंह यादव को पुलिस लाइन से मालीपुर थाने में हेड मुहर्रिर की जिम्मेदारी दी गई है। आरक्षी अजीत यादव को बसखारी से जैतपुर भेजा गया है। महिला आरक्षियों में नेहा सिंह को अहिरौली से बसखारी, काजल सिंह को जैतपुर से बसखारी और अंजू मिश्रा को कटका से बसखारी थाने में तैनाती मिली है। संयोगिता गुप्ता को हंसवर थाने से न्यायालय सुरक्षा में भेजा गया है। वहीं, पुष्पलता को पुलिस लाइन से यूपी-112 और वंदना सिंह को पुलिस लाइन से आईजीआरएस सेल में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

‘सिर्फ ट्विटर पर करते हैं राजनीति’

पोस्टर की सियासत पर राजभर का अखिलेश पर हमला

- कृष्ण और राम के नाम पर सपा-भाजपा के पोस्टर को लेकर कैबिनेट मंत्री ने दी प्रतिक्रिया, धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम पर भी उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने गुरुवार को राजनीतिक पोस्टरबाजी को लेकर समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने सपा के पोस्टर को गलत बताते हुए भाजपा के पोस्टर का समर्थन किया। राजभर ने कहा कि सपा के पोस्टर से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि भगवान श्रीकृष्ण अखिलेश यादव को दोबारा सत्ता में लाएंगे, जबकि अखिलेश यादव भगवान श्रीकृष्ण को मानते ही नहीं हैं। मंत्री ने प्रतापगढ़ और अम्बेडकरनगर में धीरेंद्र शास्त्री के संभावित कार्यक्रमों को लेकर अखिलेश यादव के ट्वीट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में शास्त्री के कार्यक्रम होते हैं, वहां अखिलेश यादव ट्वीट जरूर करते हैं। यदि उन्हें लगता है कि शास्त्री ने कुछ गलत कहा है तो उन्हें पूरे प्रदेश में आंदोलन करना चाहिए। राजभर ने अखिलेश को 'ट्विटर नेता' बताते हुए कहा कि वे सड़कों पर उतरने के बजाय ट्वीट और प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित रहते हैं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से जाति पूछने को लेकर भी अखिलेश पर निशाना साधा।

> प्रदेश की कानून व्यवस्था पर राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज कायम है। सरकार अपराधियों और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि बुलडोजर की कार्रवाई से उपद्रवियों के पसीने छूट जाते हैं।

अखिलेश को मथुरा जाने की दी नसीहत

राजभर ने कहा कि यदि अखिलेश यादव भगवान श्रीकृष्ण को मानते हैं तो उन्हें मथुरा जाकर दर्शन करना चाहिए। ऐसा करने पर पोस्टर के संदेश में भी दम होता। उन्होंने भाजपा के पोस्टर का समर्थन करते हुए कहा कि उसमें भगवान राम का जिक्र किया गया है। भाजपा के लोग भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण, दोनों के दरबार में माथा टेकते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि असली पुजारी भाजपा की ओर हैं और दूसरी तरफ नकली लोग हैं। इस दौरान उन्होंने बसपा प्रमुख मायावती के बयान का भी हवाला दिया।

आलापुर में सरकारी आवास खाली, अफसरों के रोजाना आवागमन पर उठे सवाल

एसडीएम और तहसीलदार के रात्रि प्रवास को लेकर शिकायत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील परिसर में अधिकारियों के लिए सरकारी आवास उपलब्ध होने के बावजूद उनके वहां रात्रि प्रवास नहीं करने का मामला सामने आया है। उपजिलाधिकारी विकास यादव और तहसीलदार रवीश कुमार के रोजाना जनपद मुख्यालय से तहसील आने-जाने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि इस आवाजाही में सरकारी वाहनों का कई बार इस्तेमाल होता है, जिससे ईंधन और सरकारी संसाधनों पर अतिरिक्त खर्च पड़ रहा है। मामले में सरकारी आवासों के उपयोग और वाहनों के संचालन की जांच कराने की मांग की जा रही है। तहसील परिसर में एसडीएम और तहसीलदार के लिए आवास बने हैं। बताया जा रहा है कि करीब दस दिन पहले पूर्व एसडीएम धर्मेंद्र सिंह का स्थानांतरण जलालपुर और पूर्व तहसीलदार का अकबरपुर हो गया था। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने अपने सरकारी आवास खाली कर दिए थे। नए एसडीएम विकास यादव और तहसीलदार रवीश कुमार की तैनाती के बाद भी इन आवासों में उनके रहने की बात सामने नहीं आई है। आरोप है कि दोनों अधिकारियों को उनके आवास से तहसील लाने और वापस पहुंचाने के लिए सरकारी वाहनों का इस्तेमाल किया जाता है। इससे वाहनों की आवाजाही, डीजल की खपत और सरकारी खर्च को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायत में वाहनों की लॉगबुक, ईंधन खपत के अभिलेख और ड्यूटी रजिस्टर की जांच कराने की मांग की गई है, ताकि वास्तविक खर्च का पता चल सके।

यातायात माह में चालानों की रफ्तार तेज चार दिन में 1073 वाहनों पर कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

- एक दिन में 407 वाहनों का चालान, नशे में वाहन चलाने पर दो चालक पकड़े गए; 580 वाहनों की हुई जांच

अंबेडकरनगर। यातायात माह के तहत पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अभियान के चौथे दिन बुधवार को जिले में 407 वाहनों का चालान किया गया। वहीं, एक नवंबर से अब तक कुल 1073 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई हो चुकी है। नशे की हालत में वाहन चलाने वालों की जांच के दौरान दो चालक निर्धारित जांच में पकड़े गए। दोनों पर कुल 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

यातायात पुलिस के अनुसार, चार नवंबर को कार्रवाई के दौरान दो वाहनों से एक हजार रुपये शमन शुल्क भी जमा कराया गया। अभियान शुरू होने से अब तक पांच वाहनों से कुल नौ हजार रुपये शमन शुल्क जमा हुआ है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यातायात नियमों का पालन कराने और सड़क हादसों में कमी लाने के उद्देश्य से जिलेभर में अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक यातायात जयबहादुर यादव ने टीम के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कटरिया याकूबपुर और अकबरपुर में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। कार्यशाला में सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों को जागरूकता संबंधी पंपलेट भी बांटे गए।

अभियान : बाजारों में सफाई और मिठाइयों की होगी जांच, डीएम ने बैठक कर दिए तैयारी के निर्देश

त्योहारों पर 24 घंटे बिजली

तमसा संकेत, संवाददाता

- बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, सभी उपजिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी, खंड विकास अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अंबेडकरनगर। धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, चित्रगुप्त जयंती और छठ पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कलेक्ट्रेट सभागार में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की मौजूदगी में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देश दिया कि त्योहारों से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं, ताकि बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को परेशानी न हो।

विद्युत विभाग को बाजारों और प्रमुख चौराहों पर लगे बिजली के खंभों तथा ढीले तारों की जांच कर उन्हें तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए। त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों पर जिले में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जाएगी।

त्योहारों पर मिठाइयों की मांग बढ़ने के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग को मिष्ठान भंडारों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए। बाहर से मिठाइयों की खेप आने की सूचना मिलने पर तत्काल निरीक्षण कर नमूने लेने को कहा गया। गुणवत्ता में कमी मिलने पर संबंधित दुकानदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। 12 से 15 नवंबर तक होने वाली छठ पूजा के लिए घाटों पर विशेष व्यवस्था करने को कहा गया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को घाटों की सफाई, बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था समय से पूरी कराने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की जाएगी। दीपावली पर स्थापित प्रतिमाओं के विसर्जन स्थलों और वहां तक जाने वाले रास्तों का निरीक्षण कर सफाई तथा अन्य जरूरी इंतजाम करने को भी कहा गया। आबकारी विभाग को शराब की दुकानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। बंदी के दौरान अवैध रूप से शराब बेचने और प्रतिबंधित शराब का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया।

बाजारों और चौराहों पर चलेगा सफाई अभियान

डीएम ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बाजारों, प्रमुख चौराहों तथा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाने को कहा। जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्रामीण बाजारों में सफाईकर्मियों की पर्याप्त तैनाती करने के निर्देश दिए गए। वहीं, नगर पालिका और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को नगरीय क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने को कहा गया। खंड विकास अधिकारियों को बाजारों में सफाई के साथ सजावट कराने की जिम्मेदारी दी गई।

बूथ की मजबूती से ही चुनावी सफलता, भाजपा कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश

मासिक बैठक में आगामी अभियानों पर चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर में बुधवार को भाजपा की मासिक बैठक पश्चिमी क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर परिसर में हुई। इसमें संगठन की मजबूती और आगामी अभियानों को लेकर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने और एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि ने की। संयोजन विकास निषाद ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश यादव ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। वहीं, विकास निषाद ने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती से ही पार्टी को आगामी चुनावों में सफलता मिलेगी। नगर महामंत्री आनंद मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। बैठक में आगामी संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा और बूथों पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा हुई।

सम्पादकीय

क्या अब सुधरेंगे ट्रंप

जैसे आसार थे, अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को करारा आघात लगा। विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी का अमेरिकी संसद के दोनों सदनों यानी प्रतिनिधि सभा और सीनेट में बहुमत में आना तय हो गया। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि अमेरिकी जनता और यहां तक कि ट्रंप समर्थकों को भी उनके तौर-तरीके पसंद नहीं आए। मध्यावधि चुनाव परिणाम यही बता रहे हैं कि ट्रंप अपनी जिन नीतियों के सहारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा लगाते हुए अपने समर्थकों को देश को फिर से महान बनाने का सपना दिखा रहे थे, उन्होंने ही उनकी लुटिया डुबो दी। जहां ईरान के साथ टकराव पेट्रोल, डीजल के मूल्य बढ़ने का कारण बना, वहीं मनमानी टैरिफ नीतियों ने जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ाने का काम किया। इसके चलते उनके 'मागा' समर्थक भी उनसे रुष्ट हो गए। इन समर्थकों के एक वर्ग को तो ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने का फैसला भी रास नहीं आया। अनेक अमेरिकी इससे भी खफा थे कि ट्रंप ने मित्र देशों से भी संबंध बिगाड़ लिए। वास्तव में वे ऐसे व्यवहार कर रहे थे, जैसे विश्व के शासनाध्यक्ष हों और अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून और समझौते उनके लिए बने ही नहीं। यह स्वाभाविक है कि अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट के हावी होने से ट्रंप को कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा और उन्हें अपने फैसलों को लागू करने में कठिनाई होगी, लेकिन सच यह भी है कि वे पूरी तौर पर शक्तिहीन होने वाले नहीं हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास संविधान प्रदत्त असीमित अधिकार होते हैं। वे संसद की ओर से रोके गए किसी फैसले को भी अपने वीटो अधिकार से लागू करा सकते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी को इतना बहुमत नहीं मिला कि वह उनके वीटो अधिकार पर अंकुश लगा सके। ऐसा तब हो सकता था, जब उसके पास दो तिहाई बहुमत होता। साफ है कि अपनी हार से चिढ़े ट्रंप तमाम विधायी अड़चनों और विपक्ष की सख्ती-निगरानी के बाद भी मनमानी करते रह सकते हैं। वैसे भी अब उन्हें फिर से राष्ट्रपति बनने का मौका नहीं मिलना और इसमें संदेह है कि उन्हें रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य की चिंता होगी। वे मूलतः एक व्यवसायी हैं और राष्ट्रपति के रूप में भी उन्होंने अपने निजी वित्तीय हितों को ही अधिक प्राथमिकता दी है। यदि अपनी हार से चिढ़े ट्रंप मनमानी करने पर आमादा हो जाते हैं तो वे अमेरिका के साथ-साथ विश्व के समक्ष भी और मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। भारत समेत विश्व के और देश इसकी अपेक्षा तो कर सकते हैं कि शायद अब ट्रंप का रवैया सुधरे, लेकिन ऐसा नहीं भी हो सकता। भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि रूस से तेल आयात रोकने जैसे कुछ मुद्दों पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट एकमत हैं।

जीवन का असली बोध अनशन हैं

जीवन-मृत्यु का रहस्य जानने वाले, मुश्किलों से डरते नहीं है। निराशा के बादल उनके मन आंगन मे उमड़ते- घुमड़ते नहीं है। वहीं जिन्दगी के हर पल को जिन्दादिली के साथ जी लेते हैं क्योंकि वे वर्तमान को आने वाले कल के हवाले नहीं करते हैं । जीवन जीना एक कला हैं और मृत्यु को महोत्सव का रूप देना महान कला हैं । मरण को महोत्सव वही व्यक्ति बना सकता हैं जिसका मनोबल, संकल्पबल एवं आत्मबल मजबूत हों। भारतीय संस्कृति एक बात जियो वर्तमान में जरूर सिखाती है क्योंकि भविष्य है कि नहीं, है तो कितना है, यह निश्चय में किसी के सामने नहीं है। इसलिए जैन या बौद्ध आदि धर्म विशेषकर कहते हैं कि हे मानव ! कल के लिए परिग्रह मत कर। क्योंकि भविष्य एकदम अनिश्चित है । हां,भविष्य की एक ही बात है जो विवेचित है , वो मृत्यु है । इसकी भी कोई तिथि अनुबंधित नहीं है । हम अगर एकदम अपरिग्रही हैं तो मृत्यु भी हमारा क्या छीन पाएगी। क्योंकि अपरिग्रही को कोई चिन्ता नहीं है , क्योंकि उसके लिए ,धन-वैभव-परिवार आदि सब वृथा है । वह जो अपरिग्रही होगा वह एकदम निर्मोही होगा। यहां तक कि उसका परिवार के प्रति लगाव होते हुए भी मोह कभी नहीं होगा । वह तब मृत्यु सब कुछ छीन कर भी उसका कुछ नहीं छीन पाएगी। हम सब खाली हाथ ही आए हैं , खाली हाथ ही जाएंगे। यदि यही हमारी भावना रहेगी तो मृत्यु के समय मौत हमें निर्मोही ही पाएगी। मृत्यु जो हमारा है ही नहीं उस शरीर को तो मिट्टी कर देगी, और कुछ नहीं ले पाएगी। आत्मा को भी मृत्यु नहीं ले जा पाएगी । वह तो कर्मानुसार जहां जाना है वहां चली जाएगी। हर कोई ऐसा नहीं सोच सकता। क्योंकि प्रायः हरेक को अंत समय में भी इसका-उसका मोह भाव दबोचता रहता है। इस दुर्भाव से अगर बचना है,तो दो बातें हमको करनी होगी, स्वयं को निर्भयी और निर्मोही बनना होगा । मृत्यु दर्शन, जीवन का दर्शन है। वह जिसने मरने की कला सीख ली, उसे जीने की कला भी आ गयी।भगवान् महावीर स्वामी ने जीने की कला के साथ मृत्यु की कला भी बतायी। मृत्यु की कला जीवन को निर्भय और निश्चिंत बनाती है। मनुष्य ही क्यों ब्रह्मांड के हर प्राणी के जीवन का अटल और अंतिम सत्य मृत्यु है। कोई विरला ही जीवन के अंतिम समय में आजीवन अनशन करके तीसरे मनोरथ को सफल कर सकता हैं । यह प्रबल साहस और शूरवीरता का परिचायक हैं । हम अनशन करके आत्मा की सुषमा को बढ़ा सकतें हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

धनतेरसः धन की पूजा नहीं धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व

> धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है।

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है। धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं। लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है।

– ललित गर्ग

सहस्रबाहु अर्जुन को ...

कुमार कृष्णन

राम-कृष्ण के नाम पर घमासान और धीरेन्द्र शास्त्री

धर्म और आस्था के क्षेत्र में शब्दों की अपनी मर्यादा होती है। खासकर तब, जब बात उन आराध्य चरित्रों की हो जिनसे करोड़ों लोगों की धार्मिक चेतना, सांस्कृतिक स्मृति और सामाजिक पहचान जुड़ी हुई है। लेकिन क्या किसी धार्मिक कथा की व्याख्या में प्रयुक्त उपमा या टिप्पणी को सीधे अपमान मान लिया जाना चाहिए? और क्या किसी टिप्पणी से आहत होने का दावा करते ही आपराधिक मुकदमे की मांग लोकतांत्रिक संवाद का स्वाभाविक रास्ता बन जाती है? बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भगवान राम और भगवान कृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी के बाद उठा विवाद इन सवालों को सामने रखता है। इस विवाद को समझने के लिए उनके पहले के विवादित बयानों को भी देखना होगा। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करेरा में रामकथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने राम और कृष्ण के स्वरूप तथा उनकी मुद्राओं की तुलना करते हुए कुछ टिप्पणियां कीं। उन्होंने भगवान कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा का उल्लेख किया जिसमें शरीर तीन स्थानों से मुड़ा हुआ दिखाई देता है जबकि भगवान राम के सीधे और मर्यादित स्वरूप की चर्चा की। अयोध्या और वृंदावन, धनुष और बांसुरी के प्रतीकों के माध्यम से भी दोनों के स्वरूपों का अंतर समझाने की कोशिश की गई। इस कथन के कुछ अंश सामने आने के बाद ब्रज क्षेत्र के कुछ संतों और धार्मिक लोगों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि भगवान कृष्ण के स्वरूप को लेकर इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है और इससे भक्तों की भावना आहत हो सकती है। विवाद बढ़ने पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सफाई दी कि उनका उद्देश्य भगवान राम और कृष्ण में किसी प्रकार का भेद करना या किसी का अपमान करना नहीं था। उन्होंने अपनी बात को भावपूर्ण अभिव्यक्ति और व्यंग्य स्तुति के संदर्भ में रखा तथा कहा कि यदि किसी की भावना आहत हुई है तो उन्हें खेद है। उनकी सफाई को भी पूरे संदर्भ में देखना चाहिए। किसी वक्ता की मंशा और उसके शब्दों का सामाजिक प्रभाव हमेशा एक जैसा नहीं होता। वक्ता यह कह सकता है कि उसका आशय अपमान का नहीं था, लेकिन श्रोता उन शब्दों को किस रूप में ग्रहण करते हैं, यह भी विचारणीय है। यह पहला अवसर नहीं है जब धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के किसी बयान पर विवाद हुआ हो। फरवरी 2023 में संत तुकाराम की पत्नी को लेकर उनकी टिप्पणी पर आपत्ति उठी थी। उन्होंने कहा था कि संत तुकाराम की पत्नी उन्हें रोज डंडे से मारती थीं। विवाद बढ़ने पर उन्होंने सफाई दी कि यह प्रसंग उन्होंने एक पुस्तक में पढ़ा था और किसी की भावना आहत हुई हो तो वे अपने शब्द वापस लेते हैं। अप्रैल 2023 में साईं बाबा को लेकर उनकी टिप्पणी पर भी विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि साईं बाबा संत हो सकते हैं, भगवान नहीं। साईं भक्तों की ओर से आपत्ति और शिकायतें सामने आईं। बाद में उन्होंने कहा कि किसी संत को भगवान मानना लोगों की निजी आस्था है और उनके शब्दों से किसी को ठेस पहुंची हो तो उन्हें खेद है।

सहस्रबाहु अर्जुन को लेकर की गई टिप्पणी पर भी विवाद हुआ। शास्त्री ने हैहय वंश के राजा को कुकर्मी बताते हुए साधुओं पर अत्याचार का उल्लेख किया था। इस पर संबंधित समुदाय के लोगों ने आपत्ति जताई। मार्च 2023 में उदयपुर की एक धर्मसभा में कुंभलगढ़ दुर्ग पर लगे हरे झंडों को हटाकर भगवा झंडा लगाने की बात कहने के मामले में पुलिस ने उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की थी। जुलाई 2023 में महिलाओं को लेकर उनकी एक टिप्पणी पर भी विवाद हुआ। ग्रेटर नोएडा की भागवत कथा में उन्होंने कथित तौर पर उन महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक उपमा दी थी जिनकी मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र नहीं है। इस टिप्पणी के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत की गई। अप्रैल 2024 में अली और बजरंगबली को लेकर कही गई बात पर भी आपत्ति हुई और शिकायतें सामने आईं। इन घटनाओं का उल्लेख किसी व्यक्ति को पहले से दोषी ठहराने के लिए नहीं, बल्कि सार्वजनिक वक्तृत्व की जिम्मेदारी पर विचार करने के लिए जरूरी है। हर मामले की अपनी परिस्थितियां और कानूनी स्थिति है। शिकायत या प्राथमिकी दर्ज होना किसी आरोप के सिद्ध हो जाने का प्रमाण नहीं है। फिर भी लगातार विवादों में घिरने वाले लोकप्रिय वक्ता के लिए यह आत्ममंथन का विषय जरूर है कि क्या उनकी भाषा अनावश्यक टकराव पैदा कर रही है।

देव दीपावली...

–केवल, से0नि0 सूचना अधिकारी

देव दीपावली में आगंतुकों को मिलेगा दिव्य काशी का अनुभव, योगी सरकार ने आयोजन को दिया वैश्विक स्वरूप

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने देव दीपावली के आयोजन को नई पहचान दी है। वाराणसी के गंगा घाटों पर देव दीपावली-2026 की अलौकिक आभा को करीब से अनुभव करने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन विभाग ने खास टूर पैकेज तैयार किया है। देव दीपावली पर काशी की आध्यात्मिक आभा, दीपों से सजे गंगा घाटों और समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत का अविस्मरणीय अनुभव कराने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने चार दिन-तीन रात का विशेष देव दीपावली-दिव्य काशी अनुभव टूर पैकेज तैयार किया है। इस अनूठी पहल के माध्यम से देश-दुनिया से आने वाले पर्यटक काशी की प्राचीन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और देव दीपावली की भव्यता को एक ही यात्रा में अनुभव कर सकेंगे।

देव दीपावली के दौरान काशी के घाटों पर होने वाला दीपोत्सव अद्वितीय आकर्षण होता है। गंगा तट पर असंख्य दीपों की आभा, गंगा आरती, मंदिरों की भव्य सजावट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती हैं। इस दिव्य अनुभव को पर्यटन पैकेज के रूप में पर्यटकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यूपीएसटीडीसी ने बजट, डीलक्स और प्रीमियम, तीन श्रेणियों में विशेष टूर पैकेज तैयार किए हैं। पैकेज के तहत पर्यटकों को देव दीपावली गंगा बोट राइड, काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन, गंगा आरती, सारनाथ भ्रमण, हेरिटेज वॉक तथा सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अनुभव का अवसर मिलेगा। यात्रा के पहले दिन पर्यटकों के वाराणसी आगमन पर एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन पर उनके स्वागत से शुरुआत होगी। तत्पश्चात, होटल चेक-इन और काशी विश्वनाथ धाम में संध्या दर्शन के साथ गंगा आरती का अनुभव पर्यटकों को मिलेगा। यात्रा के दूसरे दिन सुबह गंगा बोट राइड के साथ काशी के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। इनमें काशी विश्वनाथ मंदिर, विशालाक्षी मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, काल भैरव मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल शामिल हैं। इसके बाद सारनाथ का भ्रमण और शाम को काशी की आध्यात्मिक आभा का अनुभव कराया जाएगा। तीसरे दिन पर्यटकों के लिए यात्रा का सबसे खास पड़ाव देव दीपावली उत्सव होगा। काशी के जगमगाते घाटों पर दीपों की अनुपम छटा, भव्य सजावट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच पर्यटकों को देव दीपावली की दिव्यता का साक्षी बनने का अवसर मिलेगा। इस दौरान विशेष देव दीपावली गंगा बोट एक्सपीरियंस पर्यटकों के अनुभव को और यादगार बनाएगा। गंगा की लहरों के बीच नौका विहार करते हुए दीपों की आभा से जगमगाते घाटों का मनोहारी दृश्य काशी की आध्यात्मिकता को अविस्मरणीय बनाएगा। यूपीएसटीडीसी ने पर्यटकों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए पैकेज को बजट (स्टैंडर्ड होटल), डीलक्स (3 स्टार होटल) और प्रीमियम (4/5 स्टार होटल) तीन श्रेणियों में रखा है। बजट पैकेज का शुल्क 15,999 रुपये प्रति व्यक्ति, डीलक्स पैकेज 21,999 रुपये प्रति व्यक्ति और प्रीमियम पैकेज 31,999 रुपये प्रति व्यक्ति होगा। ये दरें ट्विन शेयरिंग के आधार पर हैं और जीएसटी अतिरिक्त होगा।

जरा हटके

प्रदेश सरकार द्वारा...

डॉ0 सीमा गुप्ता

ग्रामीण आजीविका मिशन से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहीं महिलाएं

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचल में महिलाएं आर्थिक स्वावलम्बन और सामाजिक बदलाव की नई ध्वजवाहक बनकर उभर रही हैं। कभी घर की चारदीवारी और खेती-किसानी तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब बचतकर्ता से उद्यमी और परिवार की मुख्य आर्थिक ताकत बन चुकी हैं। प्रदेश सरकार के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने इस परिवर्तन को ठोस संस्थागत आधार दिया है। इस व्यापक अभियान का अत्यंत प्रभावी असर जनपद अमेठी के गांवों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। प्रदेश भर में साढ़े दस लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से सवा करोड़ ग्रामीण परिवारों को जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा चुका है। इनमें से 28 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर ग्रामीण समृद्धि का नया चेहरा बनी हैं। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत आय वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में स्थानीय पूंजी निर्माण, उत्पादन, मूल्य सम्वर्द्धन, विपणन और रोजगार का एक सतत गतिशील आर्थिक चक्र भी स्थापित कर रहा है।

जनपद अमेठी में यह मिशन ग्रामीण निर्धनता निवारण और महिला सशक्तीकरण के एक सशक्त मॉडल के रूप में उभरा है। जिला प्रशासन के सतत मार्गदर्शन में जनपद के विभिन्न विकासखंडों में महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। छोटी-छोटी नियमित बचतों से शुरू हुआ यह सफर आज बैंक लिंकेज, सूक्ष्म उद्यम, कृषि आधारित गतिविधियों, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय कुटीर उद्योगों तक पहुंच चुका है।

मिशन की दीर्घकालिक सफलता की रीढ़ इसका सुव्यवस्थित त्रिस्तरीय सामुदायिक ढांचा है। प्रदेश में समूहों को संस्थागत मजबूती देने के लिए 65,544 ग्राम संगठन तथा 3,298 संकुल स्तरीय संघों का नेटवर्क कार्य कर रहा है। जनपद अमेठी में भी यह संरचना ग्रामीण महिलाओं को सामुदायिक निर्णय क्षमता, वित्तीय अनुशासन और सामूहिक व्यापारिक निर्णय की ताकत प्रदान कर रही है, जिससे उनके उद्यमों को स्थायित्व और विस्तार मिल रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड तथा सामुदायिक निवेश कोष के जरिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस व्यवस्था ने महिलाओं को निजी साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराया है। रियायती दरों पर संस्थागत वित्त की सुलभता ने उस निर्धन महिला के लिए भी स्वरोजगार के द्वार खोल दिए हैं, जिसके पास न कभी बड़ी पूंजी थी और न ही बाजार तक सीधी पहुंच थी।

जनपद अमेठी में 'लखपति दीदी' अभियान ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में गुणात्मक बदलाव का प्रमुख कारक बना है। प्रतिवर्ष एक लाख रुपये से अधिक की सतत और नियमित आमदनी अर्जित करने वाली ये दीदियां अब परिवार के आर्थिक फैसलों में बराबर की हिस्सेदार बन रही हैं। महिलाओं के हाथों में क्रय शक्ति आने से बच्चों की बेहतर शिक्षा, पोषण और प्राथमिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नीचे से ऊपर की ओर संबल मिल रहा है।

इस बदलाव की सबसे प्रेरणादायी मिसाल जनपद अमेठी के विकासखंड अमेठी स्थित ग्राम नरैनी की निवासी नीतू हैं। कुछ समय पूर्व तक नीतू का जीवन घरेलू जिम्मेदारियों, बच्चों की देखभाल और सीमित संसाधनों के बीच बंधा था। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते वे निरंतर कठिनाइयों से जूझ रही थीं। सरकारी योजनाओं और आजीविका के अवसरों की जानकारी न होने से वे परिवार की आय बढ़ाने में असमर्थ थीं। इसी दौरान नीतू ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह की साप्ताहिक बैठकों, बचत की कार्यप्रणाली और विभिन्न आजीविका प्रशिक्षणों में प्रतिभाग कर उनमें अभूतपूर्व आत्मविश्वास जागृत हुआ। मिशन के मार्गदर्शन से उन्होंने समझा कि संगठित होकर और सही कौशल अपनाकर ग्रामीण महिलाएं भी अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

समूह से मिले प्रशिक्षण और वित्तीय सहयोग के बल पर नीतू ने आजीविका के लिए अपनी गतिविधियों को नई दिशा दी। उनकी अनवरत लगन और परिश्रम का ही प्रतिफल है कि आज वे प्रतिमाह 30 से 40 हजार रुपये तक की सम्मानजनक आमदनी अर्जित कर रही हैं। स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम होने के बाद उन्होंने अपने पति को भी आर्थिक सहयोग देकर दुकान खुलवाई। इससे परिवार के लिए अतिरिक्त आय का साधन तैयार हुआ और उनके घर की माली हालत सुदृढ़ हो गई।

आर्थिक आत्मनिर्भरता ने नीतू के जीवन में केवल आमदनी ही नहीं बढ़ाई, बल्कि उनके सामाजिक सम्मान और प्रभाव में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। वे अब नरैनी गांव तक सीमित न रहकर आसपास के क्षेत्रों में घर-घर जाकर महिलाओं को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रही हैं। वे महिलाओं को समूह से जुड़ने, बचत करने और स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं, जिससे क्षेत्र में महिला जागरूकता को नया संबल मिला है।

वास्तव में ग्रामीण महिलाओं को जब संस्थागत मंच, संसाधन और प्रोत्साहन मिलता है, तो वे पूरे समाज के विकास की वाहक बन जाती हैं। आज पूरे क्षेत्र में नीतू को एक प्रेरक नेतृत्वकर्ता के रूप में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। वे अपनी इस उपलब्धि के लिए प्रदेश सरकार की नीतियों, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और मिशन की समर्पित टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हैं।

जनपद अमेठी में जिला प्रशासन द्वारा स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बड़े बाजारों से जोड़ने, उन्हें कौशल सम्वर्द्धन प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और बैंकों से समयबद्ध ऋण वितरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर निरंतर निगरानी और सहयोग से महिलाओं को न केवल आजीविका के नए साधन मिल रहे हैं, बल्कि वे विभिन्न सरकारी सेवाओं के संचालन में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

बोले- बेटी रोज पूछती है घर कब आओगे, पुलिस पर लात से मारने का आरोप

शिक्षा मंत्री के आवास पर रो पड़े शिक्षक-अभ्यर्थी

घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में गुरुवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। करीब एक घंटे तक आवास के बाहर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी शंख और घंटियां बजाकर मंत्री को बाहर बुलाने की कोशिश करते रहे। उनका कहना था कि जब उनकी आवाज मंत्री तक नहीं पहुंच रही है, तो वे शंखनाद कर रहे हैं। इस दौरान अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है, आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने

माना है, आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। कुछ अभ्यर्थी मंत्री के सामने जमीन पर लेट गए और हाथ जोड़कर नौकरी देने की गुहार लगाने लगे। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाकर बसों में बैठाया।

प्रदर्शन में शामिल एक अभ्यर्थी ने रोते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने बस में बैठाने के बाद उन्हें लातों से मारा। वहीं, 11 दिन से भूख हड़ताल कर रहे एक अभ्यर्थी की प्रदर्शन के दौरान तबीयत बिगड़ गई। आजमगढ़ से आए प्रदर्शनकारी फूट-फूटकर रोने लगे। कहा ढाई महीने से घर नहीं गए हैं। उनकी तीन साल की बेटी बीमार है। वह रोज वीडियो कॉल कर पूछती है कि पापा घर कब आएंगे। मैनपुरी से आए आशीष कुमार ने बताया कि घर में

'बस में भरकर लातों से मारा'

प्रदर्शन में शामिल एक अभ्यर्थी ने रोते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने बस में भरकर उन्हें लातों से मारा। अभ्यर्थियों ने पुलिस पर बेरहमी से पीटने, गाली देने और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि पिटाई के बाद उसका पैर उठ नहीं रहा, फ्रैक्चर हो गया है। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि सरकार दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों की मांगों को अनसुना कर रही है।

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि भर्ती परीक्षा के 150 पूर्णांक में 60 अंक यानी 40 प्रतिशत को पासिंग मार्क्स मानते हुए परिणाम संशोधित किया जाए और नई चयन सूची जारी की जाए।

बीमार बेटी को छोड़कर प्रदर्शन में आए

आजमगढ़ से आए घनश्याम प्रदर्शन के दौरान बिलख पड़े। उन्होंने बताया कि ढाई महीने से घर नहीं गए हैं। उनकी तीन साल की बेटी बीमार है और रोज वीडियो कॉल कर पूछती है कि पापा घर कब आएंगे।

घनश्याम ने बताया कि हाल ही में बेटी को 15 दिन मेडिकल कॉलेज में भर्ती रखना पड़ा था। ऑपरेशन के बाद उसकी एक्सरसाइज होनी थी, लेकिन वह बेटी को छोड़कर प्रदर्शन में शामिल होने लखनऊ आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोग उनके दर्द को नहीं समझ रहे।

उनकी बहन की शादी है, लेकिन वह नियुक्ति की मांग को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार और रिश्तेदार बहन की विदाई के लिए जुटे हैं, जबकि वह अपनी बहन और परिवार को छोड़कर यहां बैठे हैं। उन्होंने इसे पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों की मजबूरी बताया।

'जो राम-कृष्ण में भेद बताए, कथावाचक नहीं, ढोंगी है'

लखनऊ में सपा मुख्यालय के बाहर लगे 2 होर्डिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर होर्डिंग के जरिए सियासी संदेश देने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को सपा मुख्यालय के बाहर दो नई होर्डिंग लगाई गईं। पहली होर्डिंग में लिखा है- '27 में कृष्ण आएंगे'। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बांसुरी बजाते भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीर लगाई गई है। यह होर्डिंग सपा नेता मोहम्मद अजीम ने लगवाई है।

अजीम ने धीरेंद्र शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि बयान से करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अजीम ने धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ FIR दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की।

अजीम ने आरोप लगाया कि धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा, उनके नाम और बांसुरी बजाने

की शैली पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। साथ ही भगवान श्रीराम से उनकी तुलना करते हुए अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण प्रेम, करुणा, न्याय, नीति और धर्म की स्थापना के प्रतीक हैं। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण दोनों सनातन धर्म के आराध्य हैं। एक की महिमा बताने के लिए दूसरे के स्वरूप को कमतर दिखाना उचित नहीं है। सुजीत यादव ने कहा कि कथा के नाम पर व्यापार करने वाले देवी-देवताओं का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धीरेंद्र शास्त्री ने पहले भगवान श्रीकृष्ण और अब भगवान श्रीराम को लेकर आपत्तिजनक बातें कही हैं।

फास्ट न्यूज

लखनऊ एयरपोर्ट को एसीआई के तीन सम्मान मिले

सरोजनी नगर, लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को यात्री सुविधाओं और सेवाओं के लिए एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (ACI) के तीन सम्मान मिले हैं। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा संचालित इस एयरपोर्ट को एएसक्यू अवॉर्ड्स 2025 के तहत ये सम्मान दिए गए। गुरुवार, 5 नवंबर को ACI के प्रतिनिधियों ने एयरपोर्ट का दौरा किया और तीनों पुरस्कार सौंपे।

राम स्वरूप विश्वकर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ । लखनऊ में पिछड़ा दलित समाज सेना ने मध्य प्रदेश में संगठन विस्तार करते हुए शिवपुरी निवासी राम स्वरूप विश्वकर्मा को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। संगठन के केंद्रीय कार्यालय लखनऊ से राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार अभियान के तहत यह घोषणा की गई। मनोनयन पत्र संगठन के संयोजक अंकित श्रीवास्तव की ओर से जारी किया गया। संगठन नेतृत्व ने उम्मीद जताई कि राम स्वरूप विश्वकर्मा अपने अनुभव और संगठनात्मक क्षमता के आधार पर मध्य प्रदेश में संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। संगठन का उद्देश्य देशभर में पिछड़े, दलित, वंचित और शोषित वर्गों को एकजुट कर उनके विकास के लिए कार्य करना है।

मांस ले जाने में वांछित तीसरा आरोपी गिरफ्तार

मलिहाबाद। रहीमाबाद थाना पुलिस ने मांस की तस्करी के मामले में वांछित चल रहे तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हरदोई जिले के संडीला थाना क्षेत्र के मुन्नू खेड़ा गांव निवासी इस्लामुद्दीन (36) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अब चौथे आरोपी की तलाश जारी है।

सीएम योगी अचानक अस्पताल पहुंचे, आसपास गंदगी मिली

नगर निगम ने सफाई एजेंसी पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को चिनहट स्थित चंदन हॉस्पिटल में भर्ती पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह का हाल जानने पहुंचे थे। उस VIP दौरे के दौरान अस्पताल के आसपास सड़क पर गंदगी मिली थी, जिसके बाद नगर निगम प्रशासन ने एक्शन लिया है। वहां से सीएम के जाने के बाद नगर निगम ने सफाई एजेंसी पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। देर रात बुलडोजर चलाकर वहां के अतिक्रमण ध्वस्त करवा दिए।

मुख्यमंत्री के दौरे में सड़क पर गंदगी मिलने को लेकर जोनल सेनेटरी ऑफिसर ने 'लखनऊ स्वच्छता अभियान' (LSA) पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। साथ ही एक सुपरवाइजर समेत 10 सफाई कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

इस ताबड़तोड़ एक्शन पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। इलाके में रोड स्वीपिंग का जिम्मा फिलहाल 'लॉयन सिक्योरिटी' के पास है। ऐसे में जब काम दूसरी कंपनी के पास है, तब LSA पर 15 लाख की पेनल्टी लगाने और कर्मचारियों को हटाने के औचित्य पर उंगुली उठ रही है।

सीएम के दौरे के बाद रात 11 बजे लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत चंदन हॉस्पिटल के आसपास के इलाके का निरीक्षण करने पहुंच गए थे। कमिश्नर की मौजूदगी की खबर मिलते ही नगर निगम और एलडीए के अफसर भी मौके पर दौड़े। कमिश्नर ने चिनहट तिराहे से चंदन हॉस्पिटल रोड पर फैले अतिक्रमण और जर्जर सर्विस लेन को देखकर कड़ी नाराजगी जताई और तुरंत व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा।

विधायक बेचकर भाजपा की सरकारें बनवाने वाली कांग्रेस पहले अपने गिरेबान में झांके: संजय सिंह

'आम आदमी पार्टी अब 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं'

तमसा संकेत, संवाददाता

सुल्तानपुर/लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को सुल्तानपुर में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हालिया बयान पर जोरदार पलटवार किया। पंजाब की एक रैली में खड़गे द्वारा आम आदमी पार्टी को भाजपा की 'बी' टीम बताए जाने पर सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास और उसके विधायकों की खरीद-फरोख्त का कच्चा चिट्ठा खोलते हुए कहा कि असल में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक देश भर में भाजपा की सरकारें बनवाने का अपराध स्वयं कांग्रेस

तमिलनाडु में 59, बंगाल में 54, यूपी में 37 और गुजरात में 31 साल से हार रही कांग्रेस, क्या आप हरवा रही है?: संजय सिंह

अशोक चव्हाण, अमरिंदर सिंह और हिमंत बिस्वा सरमा को भाजपा में भेजने वाली पार्टी खुद को संभाले

भगवंत मान के जनहित कार्यों पर जनता की मुहर, ओछी बयानबाजी से लोकप्रियता कम नहीं होगी

पार्टी ने किया है। कांग्रेस की चुनावी विफलताओं का ब्योरा देते हुए सांसद संजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस तमिलनाडु में 59 साल, पश्चिम बंगाल में 54 साल, सिक्किम में 47 साल, त्रिपुरा में 38 साल, उत्तर प्रदेश में 37 साल, बिहार में 36 साल, गुजरात में 31 साल और ओडिशा में 26 साल से लगातार चुनाव हार रही है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, असम, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में भी वह पिछले 10 से 23 सालों से शिकस्त झेल रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब इन राज्यों में आम आदमी पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था, तब कांग्रेस क्यों हार रही थी? कांग्रेस को अपनी कमजोरियों और नाकामियों का मूल्यांकन करना चाहिए।

विधायक बेचकर भाजपा की सरकारें बनवाती है कांग्रेस, दूसरों पर उंगली उठाना बंद करे

कांग्रेस अध्यक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि 2016 में अरुणाचल प्रदेश में जनता ने कांग्रेस को जिताया, लेकिन पूरी की पूरी कांग्रेस पार्टी और उसके विधायक भाजपा में चले गए और भाजपा की सरकार बनवा दी। 2016 में उत्तराखंड में 9 विधायक, 2017 में गोवा में 13 विधायक और 2022 में फिर 8 विधायक, 2019 में कर्नाटक में 13 विधायक और 2020 में मध्य प्रदेश में 22 कांग्रेसी विधायक टूटकर भाजपा में शामिल हो गए और भाजपा की सरकारें बनवाईं। पूरे देश में कांग्रेस के विधायक टूट-टूट कर भाजपा की झोली में गिरते हैं, जिससे भाजपा मजबूत होती है। ऐसी पार्टी को आम आदमी पार्टी पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आप नेता भाजपा से लड़कर जेल गए, कांग्रेस अपने चार नेताओं के नाम बताए: संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी वह पार्टी है जिसके सबसे बड़े नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा से लड़ते हुए जेल गए। पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और खुद वे (संजय सिंह) जेल गए। विपक्ष में हेमंत सोरेन जेल गए, टीएमसी और डीएमके के तमाम नेता जेल गए। कांग्रेस बताए कि भाजपा से लड़ते हुए उनके कौन से चार बड़े नेता जेल गए हैं? कांग्रेस के पास अपनी कोई साख नहीं बची है और वह आम आदमी पार्टी पर अनर्गल आरोप लगा रही है।

बीबीडी ग्रीन सिटी में 231 लग्ज़री विला, टाउनशिप बीबीडी ग्रीन सिटी के भीतर 24 एकड़ में फैली

विराज कंस्ट्रक्शंस ने लॉन्च की बीबीडी एम्ब्रोसिया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बीबीडी समूह की कंपनी विराज कंस्ट्रक्शंस प्रा. लि. (वीसीपीएल) ने 31 अक्टूबर को लखनऊ के आईटीसी फॉर्च्यून पार्क बीबीडी में आयोजित समारोह में 4 बीएचके और 5 बीएचके विला की सिग्नेचर लग्ज़री परियोजना बीबीडी एम्ब्रोसिया लॉन्च की।

समारोह में चेयरमैन श्री विराज सागर दास और श्रीमती देवांशी सागर दास के साथ श्री अमित श्रीवास्तव और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। शहर के लगभग 200 चैनल पार्टनर और रियल एस्टेट ब्रोकर भी शामिल हुए। परियोजना की प्रस्तुति हेड ऑफ़ सेल्स श्री बृजेश पाण्डेय ने दी।

बीबीडी एम्ब्रोसिया 318 एकड़ की

टाउनशिप बीबीडी ग्रीन सिटी के भीतर 24 एकड़ में फैली है। इसमें 231 विला हैं, यानी प्रति एकड़ लगभग 10 विला। परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हरित और खुला क्षेत्र है, और इसके केंद्र में 66,000 वर्ग फुट का षट्कोणीय बहुउद्देशीय पार्क है। 4 बीएचके विला का निर्मित क्षेत्र लगभग 3,100 वर्ग फुट है। लिफ्ट वाले 5 बीएचके विला का निर्मित क्षेत्र लगभग 4,500 वर्ग फुट है। श्री पाण्डेय ने कहा, ₹बीबीडी एम्ब्रोसिया अपने स्थान, निर्माण गुणवत्ता और जीवनशैली में अनूठी है। यह शहर के बीच एक हरित परियोजना है, जहां रोज़मर्रा की सभी सुविधाएं कुछ ही दूरी पर हैं। इसे उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो हरित, टिकाऊ और सिग्नेचर

कंपनी के अनुसार, पिछले तीन-चार वर्षों में लखनऊ में लग्ज़री जीवनशैली की मांग लगातार बढ़ी है। साइट पर विकास कार्य शुरू हो चुका है और परियोजना लगभग ढाई वर्ष में पूरी होने की उम्मीद है। फेज़ 1 लॉन्च हो चुका है, और फेज़ 2 मार्च 2027 तक लॉन्च करने की योजना है।

प्रीमियम जीवनशैली चाहते हैं।

सुविधाएं : 24x7 गेटेड सुरक्षा, सीसीटीवी के साथ तीन-स्तरीय सुरक्षा, कम्युनिटी क्लबहाउस, सेंट्रल पार्क और पैटियो, बच्चों का क्षेत्र और प्ले ज़ोन, नेचर वॉक और जॉगिंग ट्रैक। ये डेवलपर की वेबसाइट पर Ambrosia Estates Phase I नाम से सूचीबद्ध हैं।

राजधानी में दिवाली से पहले इंडेन ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल

3 दिन से सिलेंडर नहीं पहुंचाए, 80 एजेंसियों को नहीं मिली गैस

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में दिवाली पर गैस सिलेंडर की किल्लत की आशंका गहराती जा रही है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन जिले में इंडेन की 80 एजेंसियों को सिलेंडर सप्लाई नहीं हुए। इसकी वजह है ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल।

ट्रांसपोर्टर्स इस मांग के साथ सरोजनीनगर में बॉटलिंग प्लांट पर हड़ताल कर रहे हैं कि उन्हें वादे के मुताबिक काम नहीं मिल रहा है। जिससे, उनके ट्रकों का खर्च निकाल पाना मुश्किल हो रहा है। गुरुवार को वे अमौसी स्थित इंडियन ऑयल एलपीजी गैस बॉटलिंग प्लांट में हड़ताल पर बैठे रहे।

तीन दिन से सिलेंडरों की उठान बंद होने से शहर में एलपीजी

सिलेंडरों की कमी बढ़ने लगी है। उपभोक्ताओं को भी परेशानी हो रही है।

हड़ताल खत्म कराने के लिए इंडियन ऑयल के अधिकारियों ने गुरुवार सुबह 11 बजे गोमतीनगर स्थित स्टेट ऑफिस में ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक तय की थी। ट्रांसपोर्टरों ने वहां जाने के बजाय अमौसी गैस प्लांट में बैठक करने की मांग की।

अधिकारियों ने दोपहर 3 बजे प्लांट में बैठक कर समस्या का हल निकालने का भरोसा दिया। लेकिन, तय समय पर कंपनी का कोई अधिकारी प्लांट नहीं पहुंचा। बैठक के लिए आए ट्रांसपोर्टर काफी देर इंतजार के बाद नाराज होकर लौट गए। उन्होंने कंपनी अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई।

ट्रांसपोर्टर राजू यादव, योगेश सिंह, अतुल यादव और प्रवीन यादव ने बताया कि 2023 के टेंडर के समय इंडियन ऑयल ने लखनऊ, बाराबंकी, फैजाबाद, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और सीतापुर की कुल 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम देने का भरोसा दिया था। ट्रांसपोर्टरों के मुताबिक, इसी भरोसे पर उन्होंने बैंक से कर्ज लेकर करीब 206 ट्रक खरीदे।

मजबूती : 31 जनपदों में महिला नेतृत्व वाला दुग्ध मॉडल, 72,669 महिलाएं बनीं 'लखपति दीदी'

दुग्ध शक्ति' से समृद्ध हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने तथा उन्हें 'लखपति दीदी' के रूप में स्थापित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में महिला नेतृत्व वाली मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां ग्रामीण दुग्ध अर्थव्यवस्था में बदलाव की मजबूत धुरी बनकर उभरी हैं। वर्तमान में इन कंपनियों से

लगभग 4.12 लाख महिला दुग्ध उत्पादक संगठित रूप से जुड़ी हैं। इन कंपनियों ने प्रदेश के 31 जनपदों के 7,298 गांवों में अपनी पहुंच स्थापित की है। इन कंपनियों ने स्थापना से अब तक लगभग 5,839 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 132 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। इन कंपनियों से जुड़ी 72,669 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। यह पहल महिलाओं को केवल दुग्ध उत्पादक के रूप में नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक गतिविधियों की सक्रिय भागीदार और उद्यमी के रूप में स्थापित कर रही है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित पांच महिला मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां—बलिनी

सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड मध्य क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,560 गांवों में संचालित है। इससे लगभग 1.12 लाख महिला सदस्य जुड़ी हैं। कंपनी का अब तक लगभग 1,841 करोड़ रुपये का कारोबार रहा है तथा कंपनी ने लगभग 45 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 18,000 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड तथा सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड—प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में महिला दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर उन्हें बेहतर बाजार, पारदर्शी मूल्य और नियमित आय का आधार उपलब्ध करा रही हैं।

4 जनपदों के 1,170 गांवों में कार्यरत

श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड गोरखपुर क्षेत्र के 4 जनपदों के 1,170 गांवों में कार्यरत है। कंपनी से 74,350 महिला सदस्य जुड़ी हैं। कंपनी ने स्थापना से अब तक लगभग 370.07 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 4.46 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 6,269 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

लखनऊ के बाजारों में दिवाली की रौनक

लखनऊ । लखनऊ के बाजारों में दिवाली की रौनक छाने लगी है। कहीं मिट्टी के दीये और हाथ से बनी लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं सज रही हैं, तो कहीं रंग-बिरंगी झालर और टेराकोटा के सामान लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार खरीदारी में परंपरा और स्थानीय कारीगरों के रोजगार का रंग भी दिख रहा है।

कोई बचपन की यादें ताजा करने के लिए मिट्टी के बर्तन खरीद रहा है, तो कोई बच्चों को अपनी पुरानी परंपराओं से जोड़ने के लिए। अमीनाबाद, पत्रकारपुरम, यहियागंज, निशातगंज और चौक के बाजारों में महिलाओं की भीड़ सबसे ज्यादा नजर आ रही है। मनोज गुप्ता पिछले 15 साल से दिवाली पर लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां बेच रहे हैं। उनके पास 100 रुपये से लेकर 5100 रुपये तक की प्रतिमाएं हैं। साधारण देसी मूर्तियों के साथ फैंसी और कोलकाता शैली की प्रतिमाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि मूर्तियों की कीमत उनके आकार और सजावट पर निर्भर करती है।

बीजेपी की रैली में फंसी एंबुलेंस में सिपाही की मौत

पिता बोले-मैं ट्रैफिक पुलिस के सामने गिड़गिड़ाता रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे जाम में फंसी एंबुलेंस में घायल सिपाही की मौत हो गई। टाटमिल चौराहे पर BJP की रैली के चलते दोनों ओर करीब 3 किलोमीटर तक जाम लगा था। मृतक सिपाही प्रांशु सचान के पिता प्रमोद सचान के मुताबिक एंबुलेंस लगभग डेढ़ घंटे चौराहे पर ही ट्रैफिक में फंसी रही। इस दौरान वह एंबुलेंस पास कराने के लिए ट्रैफिक पुलिस से भी गिड़गिड़ाए। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसकी वजह से 4:30 बजे हैलट अस्पताल पहुंच सके। जहां डॉक्टरों ने बेटे को मृत घोषित कर दिया।

घाटमपुर क्षेत्र के मोतीपुर गांव निवासी 22 वर्षीय प्रांशु वर्ष 2025 बैच के सिपाही थे। उनकी तैनाती अंबेडकरनगर की डांडा कोतवाली में थी। प्रांशु को कानपुर देहात, कानपुर नगर, फतेहपुर और

रायबरेली में सम्मन तामील कराने थे। इसके लिए वह मंगलवार को अंबेडकरनगर से कानपुर देहात पहुंचे। यहां उन्होंने रसूलाबाद में पहला सम्मन तामील कराया। इसके बाद वह अपने घर घाटमपुर के मोतीपुर गांव चले गए।

बुधवार की सुबह बस से कानपुर नगर के बिधनू गए। यहां दूसरा सम्मन तामील कराने के बाद फतेहपुर के लिए रवाना हो गए। रास्ते में बाइक से किसी काम से जा रहे उनके पिता प्रमोद सचान उन्हें मिल गए। पिता ने उन्हें फतेहपुर तक बाइक से छोड़ देने की बात कही। प्रांशु पिता की बाइक पर बैठ गए।

आजम बोले ऐसे तो मैं जेल में ही मर जाऊंगा, एससी ने हाईकोर्ट को जमानत पर फैसला लेने को कहा

वो चुनाव में मुझे अंदर रखना चाहते हैं : आजम

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा नेता आजम खान की जमानत याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। कोर्ट ने गुरुवार को उनकी याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दी।

आजम ने कहा-मैं हर मामले का सामना करूंगा, लेकिन मुझे जमानत चाहिए। मैं 80 साल का हूं। मुझे ईडी के अलावा 28 अन्य मामलों में गिरफ्तार किया गया। ऐसे तो मेरी मौत जेल में ही हो जाएगी।

उन्होंने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाए। कहा- जिस समय मुझे रिहा किया जा रहा था, ठीक उसी समय ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। वे बस यही चाहते हैं कि चुनाव के दौरान मैं जेल के अंदर ही रहूं। आजम खुद सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश नहीं हुए थे। उन्होंने ये बातें अपने वकील कपिल सिब्बल के जरिए कोर्ट से कहीं।

कोर्ट ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि वह इस मामले को 16 नवंबर से पहले एक डिविजन बेंच के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। बेंच 16 नवंबर को ही आजम की याचिका पर अंतरिम आदेश पास करे।

31 अक्टूबर को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में आजम को रामपुर जेल से निकलते ही गेट पर गिरफ्तार कर लिया था। अगले दिन सुबह विशेष PMLA कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में गाजियाबाद की डासना जेल भेज दिया था। ED की कार्रवाई का संबंध मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े जौहर ट्रस्ट से है। एजेंसी सरकारी निर्माण कार्यों के धन और सामग्री के कथित दुरुपयोग, जमीन की खरीद और विश्वविद्यालय के निर्माण में इस्तेमाल हुए धन के स्रोत की जांच कर रही है।

तस्वीर 31 अक्टूबर की है। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था।

सिब्बल बोले- बकरी-गाय को अपराध से अर्जित आय बताया गया

कपिल सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि ईडी की गिरफ्तारी गलत नीयत से की गई। मामला 2006 का है। FIR 2019 में फाइल हुई। PMLA कहां से आ गया? उन्होंने कहा- आरोपों को देखिए। एक लिस्ट है कि 2016 में आरोपी एक घर में घुसे और 5 हजार रुपए और एक तोला सोने की बालियां लूटकर ले गए और घर को बुलडोजर से गिरा दिया। उन्होंने कहा- अगली शिकायत है कि उसी दिन आरोपी एक और घर में घुसे और परिवार को धमकाकर नकदी लूट ली। 4 बकरियां ले गए और घर गिरा दिया। बकरी और गाय को अपराध से अर्जित आय बता दिया गया। ये सब क्या हो रहा है?

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मुकदमे में आजम खान को विशेष PMLA कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

गाजियाबाद कोर्ट के बाहर आजम ने कहा था- क्या रह गया बोलने को

1 नवंबर को ED के अफसरों ने आजम को गाजियाबाद में ईडी की विशेष PMLA कोर्ट में पेश किया। इस दौरान CRPF और पुलिस के 100 जवान भी तैनात रहे। कोर्ट परिसर पहुंचने पर आजम काफी शांत दिखे।

वह सिर्फ लोगों की तरफ देखते रहे। कार की खिड़की का शीशा खोलते ही मीडिया ने पूछा- कुछ बोलेंगे नहीं? इस पर उन्होंने जवाब दिया- क्या रह गया है बोलने को।

मंदिर जाने से रोका तो पूरे शरीर पर राम-राम गुदवाया

अध्यक्ष बोले- अब लोग रामनाम लिखवाने से बच रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । माथे पर राम, हाथों पर राम और शरीर के रोम-रोम में राम। कपड़ों से लेकर घर की दीवारों तक एक ही नाम की छाप। यह सिर्फ भक्ति नहीं, बल्कि उस विश्वास की ताकत है, जिसने सदियों के पुराने सदियों पुराने भेदभाव को आध्यात्मिक पहचान में बदल दिया। यह छत्तीसगढ़ के रामनामी समाज की कहानी है। कभी इस समाज के लोगों को मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता था, तब इन्होंने राम को पाने के लिए मंदिरों की चौखट नहीं, बल्कि अपना शरीर चुना। अपने तन पर राम नाम गुदवाया और पूरे जीवन को राममय बना लिया। इनके लिए राम किसी मूर्ति में नहीं, बल्कि हर जीव और हर सांस में बसते हैं। शादी हो या मृत्यु, जीवन की हर परंपरा में राम नाम ही इनका आधार है। काशी में चल रही सांस्कृतिक संसद में पहुंचे समाज के अध्यक्ष कौशल रामनामी ने बातचीत में बताया कि कैसे करीब 200 साल पुरानी यह आस्था आज भी पीढ़ियों तक चली आ रही है।

कौशल रामनामी ने बताया कि इस परंपरा की जड़ें करीब 1860 के दौर में हुए जातिगत भेदभाव से जुड़ी हैं। उस समय समाज के लोगों को मंदिरों में प्रवेश नहीं दिया जाता था। इस अपमान के जवाब में उन्होंने अपने शरीर पर राम नाम गुदवाना शुरू किया। धीरे-धीरे यही उनकी पहचान और आध्यात्मिक जीवन का हिस्सा बन गया।

फास्ट न्यूज

नकली दवाइयों के मामले में 3 आरोपियों की जमानत खारिज

आगरा । आगरा के मलपुरा में भारी मात्रा में कथित नकली दवाइयां मिलने के मामले में तीन आरोपियों को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। बुधवार को एडीजे-8 रविकांत ने सलुआ उर्फ मुकीम, इकरार और शामिन उर्फ छोटू की जमानत अर्जी खारिज कर दी। तीनों आरोपियों को रामबाबू स्कूल के पास एक गोदाम पर छापेमारी के दौरान पकड़ा गया था। औषधि विभाग की टीम ने गोदाम से कार्टूनों में रखी भारी मात्रा में कथित नकली दवाइयां बरामद की थीं।

कानपुर में त्योहार की खरीदारी को उमड़ी भीड़

कानपुर । कानपुर में दीपावली और आगामी त्योहारों की खरीदारी के बीच गुरुवार को यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहर के प्रमुख मार्गों और बाजारों में सुबह से शाम तक भीषण जाम लगा रहा। जीटी रोड, कालपी रोड, कोकाकोला चौराहा, मोतीझील, जरीब चौकी, अफीम कोठी, गुमटी, विजय नगर, स्वरूप नगर और आर्य नगर में वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। लोगों को कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में घंटों लग गए। दीपावली की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ी भीड़ के चलते नयागंज, बड़ा चौराहा, पी रोड, गुमटी नंबर-5 और शिवाला में यातायात प्रभावित रहा।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर को सांड ने पटका

चकेरी, कानपुर। कानपुर में गुरुवार सुबह 11 बजे ऑफिस जा रहे एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को सांड ने पटक दिया। सड़क पर गिरने की से पैर की हड्डी टूट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- सड़क किनारे आपस में लड़ रहे सांड अचानक दौड़े और बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इंजीनियर उछलकर सड़क पर जा गिरे। गनीमत रही कि पीछे से कोई वाहन नहीं आ रहा था, वरना हादसा जानलेवा हो सकता था।

मुरादाबाद में एसी बस में ब्लास्ट के बाद लगी आग

41 यात्री सवार थे, दलपतपुर पुल पर हुआ हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद । मुरादाबाद में बुधवार रात करीब 9 बजे दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर बरेली डिपो की एसी बस में ब्लास्ट के बाद आग लग गई। बस आनंद विहार दिल्ली से करीब 41 यात्रियों को लेकर बरेली जा रही थी। हादसा मूंढापांडे थाना क्षेत्र में दलपतपुर पुल पर हुआ। आग लगते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। राहत की बात है कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। आग लगने की वजह बस के एसी में हुआ ब्लास्ट बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बस चालक वसीम ने बताया कि बस के एसी पोर्शन में पहले फॉल्ट हुआ और इसके बाद तेज धमाके के साथ आग लग गई। उन्हें आशंका है कि एसी फटने की वजह से हादसा हुआ। धमाके के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सभी यात्री तुरंत बस से बाहर निकल आए। चालक और वहां से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में पास में तैनात पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। बस के परिचालक चंद्रपाल सिंह के मुताबिक, बस पूरी भरी हुई थी। उसमें 39 यात्री और चालक-परिचालक समेत कुल 41 लोग सवार थे। बस जैसे ही दलपतपुर पुल पर चढ़ने लगी, कुछ यात्रियों ने पीछे से केबिन में धुआं आने की शिकायत की। इस पर परिचालक ने बस रुकवा दी। नीचे उतरकर देखा तो बस से चिंगारियां निकल रही थीं। उन्होंने बस में रखे फायर एक्सटिंग्विशर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान लपटें तेजी से उठने लगीं। यह देखकर उन्होंने चिल्लाकर सभी यात्रियों को तुरंत बस से नीचे उतरने को कहा। सभी यात्री समय रहते बाहर निकल आए। परिचालक चंद्रपाल सिंह ने बताया-सूचना देने के एक घंटे बाद तक भी फायर ब्रिगेड की टीम नहीं आई।

घर में सो रहे थे, बेड पर मिले शव, बेटा शादी में बाहर गया था

हाथरस में पति-पत्नी की जिंदा जलकर मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

सादाबाद (हाथरस) । हाथरस में घर में भीषण आग लग गई। हादसे में सो रहे पति-पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई। दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। बेड पर दोनों की लाश मिली। हादसा बुधवार रात 2 बजे हुआ।

मकान से आग की ऊंची लपटें और धुआं उठता देख पड़ोसियों को हादसे का पता चला। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घर के अंदर मिले पति-पत्नी के शव इतनी बुरी तरह जल चुके थे कि पहचान करना मुश्किल था।

आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। परिवार सिलाई का काम करता था। त्योहार के चलते मकान में काफी माल रखा था। इससे आग तेजी से फैली और कुछ ही मिनटों में पूरे मकान को चपेट में ले लिया।

मृतकों की पहचान शहजाद (71), उनकी पत्नी सलमा बेगम (65) के रूप में हुई है। परिवार के बाकी लोग शादी में शामिल होने बाहर गए थे।। हादसा जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर सादाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुआ। सादाबाद के कहारन मोहल्ले के रहने वाले शहजाद (70) का दो मंजिला मकान है। डेढ़ साल पहले सलमा बेगम (65) से दूसरी शादी की थी। पहली पत्नी हसीना की ढाई साल पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी। उनसे उनके चार बेटे सानू, सलमान, सद्दन और सब्बू हैं। सभी की शादी हो चुकी है। छोटा बेटा सब्बू पत्नी-बच्चों के साथ पिता शहजाद के साथ रहता था। बाकी बेटे परिवार के साथ बाहर रहते हैं।

सब्बू और सलमान फेरी लगाते हैं, जबकि सानू सिलाई-कढ़ाई का काम करता है। वहीं, सद्दन आर्टिफिशियल पायल का कारोबार करता है।

> सादाबाद सीएचसी के डॉ. नीरज वर्मा ने बताया-दोनों शव 50 प्रतिशत से ज्यादा जल चुके थे। शुरुआती जांच में धुएं से दम घुटने से मौत की बात सामने आई है। शरीर के कई हिस्से बुरी तरह जले हुए थे।

कार ने बाप बेटे नाती को कुचला मौत

पूर्वजों की समाधि बनवा रहे थे, हाईवे से 200 मीटर दूर कार ने रौंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

पुलिस पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि उसे नींद की झपकी आ गई थी। इस वजह से वह कार पर कंट्रोल खो बैठा।

ड्राइवर बोला- झपकी आई और कार से कंट्रोल खो बैठा

पुलिस ने कार का गेट काटकर ड्राइवर को बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वह वृंदावन के कैलाश नगर का रहने वाला है और स्टेशनरी की दुकान चलाता है। वह अलीगढ़ से वृंदावन लौट रहा था।

मथुरा । मथुरा में बेकाबू स्विफ्ट कार ने गुरुवार सुबह पिता, बेटे और नाती को कुचल दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा बरेली हाईवे पर सुबह 8 बजे हुआ।

मृतकों की पहचान जवाहर सिंह (70), उनके बेटे हरवीर (30) और नाती अंकित (24) के रूप में हुई है। हादसे में कार ड्राइवर अमन शर्मा भी घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालत गंभीर है। जवाहर सिंह हाईवे से 200 मीटर दूर अपने खेत में पूर्वजों की समाधि बनवा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार हाईवे से नीचे उतरकर खेत में घुस गई और तीनों को रौंद दिया। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। घटना राया थाना क्षेत्र के गजू गांव के पास हुई। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ।

हाईवे के पास खेत में काम करवा रहे थे

गजू गांव के रहने वाले जवाहर अपने खेत में पूर्वजों की समाधि पक्की करवा रहे थे। उनका बेटा हरवीर और नाती अंकित भी साथ में थे। इसी दौरान बरेली से मथुरा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने तीनों को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद कार खेत में रखे पत्थर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। शीशे टूट गए और छत पिचक गई। ड्राइवर स्टेयरिंग और सीट के बीच फंस गया। बोनट से धुआं निकलने लगा

अफेयर का शक था, बच्चों को लेकर भागा, लव-मैरिज की थी

कन्नौज में पत्नी को कुर्सी से बांधकर जिंदा जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज । कन्नौज में पति ने पत्नी को जिंदा जलाकर मार डाला। आरोप है कि वह पत्नी पर शक करता था। उसे लगता था कि पत्नी का किसी और से अफेयर चल रहा है। गुरुवार सुबह 7 बजे पति ने पत्नी सोनम (32) को कुर्सी से बांधा। फिर उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। सोनम आग की लपटों में घिरी तो पति सुखबीर सिंह उर्फ मोनू (35) दोनों बच्चों को लेकर भाग गया। इधर, मकान से आग की ऊंची लपटें उठती देखकर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

दमकलकर्मी घर के अंदर पहुंचे तो सोनम का कंकाल मिला। सुखबीर सिंह ने 11 साल पहले सोनम से लव-मैरिज की थी। घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र की है।

सुखबीर जगतपुर गांव का रहने वाला है। उसका बड़ा बेटा 7 साल का और बेटी 5 साल की है। सुखबीर 14 साल से हिसार में प्राइवेट नौकरी कर रहा था।

वहीं उसकी मुलाकात शिकोहाबाद की रहने वाली सोनम से हुई थी। वह भी प्राइवेट नौकरी करती थी। दोनों के बीच प्यार हुआ और 11 साल पहले उन्होंने लव मैरिज कर ली। इसके बाद दोनों हिसार में रहने लगे।

4 साल पहले सोनम का एक युवक से अफेयर हो गया। एक दिन सुखबीर ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद वह सोनम को गांव छोड़ गया। आरोप है कि गांव में रहने के दौरान भी सोनम का एक युवक से अफेयर हो गया।

दो दिन पहले ही दिवाली की छुट्टी पर सुखबीर गांव आया था। इस दौरान उसे गांव वालों से पत्नी के अफेयर की जानकारी मिली। इसे लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। मामला सिकंदरपुर चौकी तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर सुखबीर गुस्से में था। गुरुवार सुबह वह गुस्से में घर से निकला। आधे घंटे बाद बोतल में पेट्रोल लेकर लौटा और पत्नी को जला दिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

कर्मचारियों को मिलेगा...

इस आधार पर 30 दिन का अधिकतम बोनस 6,908 रुपए मिलेगा।

दैनिक वेतनभोगियों को 1,184 रुपए: ऐसे दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को बोनस मिलेगा, जिन्होंने लगातार 3 साल काम किया है। इसके लिए 6 दिन के सप्ताह में हर साल कम से कम 240 दिन और 5 दिन के सप्ताह में 206 दिन काम करना जरूरी है। उन्हें अधिकतम 1,184 रुपए बोनस मिलेगा।

रिटायर कर्मचारियों को पूरा पैसा नकद: 31 मार्च 2026 के बाद रिटायर हो चुके या 30 अप्रैल 2027 तक रिटायर होने वाले कर्मचारियों को बोनस की पूरी रकम नकद दी जाएगी।

दंडित कर्मचारियों को लाभ नहीं: जिन कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई या आपराधिक मुकदमे में सजा मिली है, उन्हें बोनस नहीं दिया जाएगा।

जांच या मुकदमा लंबित है तो रुकेगा बोनस: जिन कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच या आपराधिक मुकदमा चल रहा है, उनका बोनस फैसला आने तक रोक दिया जाएगा। कर्मचारी दोषमुक्त होता है तो रुका हुआ बोनस जारी किया जाएगा।

एक साल की सेवा जरूरी: बोनस का लाभ उन्हीं कर्मचारियों को मिलेगा, जिन्होंने 31 मार्च 2026 तक लगातार एक साल की सेवा पूरी कर ली है।

सीजेपी को देश-विदेश...

इसके अलावा CJP ने ऐलान किया है कि वह 7 नवंबर को SIR के खिलाफ कोच्चि में जंतर-मंतर जैसा आंदोलन करेगी। CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके भी इसमें शामिल होंगे।

CJP ने पेपर लीक आंदोलन के बाद आपराधिक मामलों का सामना कर रहे छात्रों की कानूनी मदद के लिए फंड बनाया है। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इसी साल 27 जुलाई को इसमें एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की थी। उन्होंने देशभर के वकीलों से भी इस फंड में योगदान देने की अपील की है।

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने 3 सितंबर को CJP के विरोध प्रदर्शन से जुड़े विदेशी कनेक्शन के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि आंदोलन को बांग्लादेश, पाकिस्तान और अमेरिका में बड़ी संख्या में समर्थन मिलने की बात कही जा रही थी।

इसके बाद उन्होंने CJP के सोशल मीडिया फॉलोअर्स के डेटा का विश्लेषण किया। उनके मुताबिक, करीब 94% फॉलोअर्स भारत से थे, जबकि सिर्फ 6% दूसरे देशों से थे।

अभिजीत दीपके विदेशी फंडिंग के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। CJP के आंदोलनों के खर्च पर दीपके ने कहा था कि वह और उनके दोस्त मिलकर पैसा जुटाते हैं। उनके मुताबिक, संगठन को किसी बाहरी डोनर या बड़े उद्योगपति से आर्थिक मदद नहीं मिली है। आगे उन्होंने क्राउडफंडिंग से पैसा जुटाने की योजना भी बताई थी।

दिल्ली में 3 मंजिला...

इनमें असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग) मोहम्मद नईम और जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग) अमन दलाल शामिल हैं।

दिल्ली में इस साल इमारत गिरने का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 5 हादसों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सत्य निकेतन और सीमापुरी हादसे शामिल हैं। जान गंवाने वालों में कई छात्र भी थे। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद नईम ने बताया कि इमारत पिछले 3-4 महीने से बन रही थी। तीन-चार लिंटर डाले जा चुके थे और वे सभी एक साथ गिर गए। घटना के समय करीब तीन-चार लोग मौजूद थे। एक शव को मलबे से बाहर निकालते हुए देखा गया है।

आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने इमारत गिरने की घटना पर CM रेखा गुप्ता सरकार और MCD को घेरा। उन्होंने X पर कहा कि कई बार सुरक्षा ऑडिट के आदेश के बावजूद दिल्ली में इमारतें गिर रही हैं।

भारद्वाज ने सरकारी विभागों पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो लोग रिश्वत नहीं देते, उनकी इमारतें सील कर दी जाती हैं, जबकि दूसरी इमारतों पर कार्रवाई नहीं होती।

उन्होंने दमकल विभाग और SDM कार्यालयों में भी वसूली का आरोप लगाया और ग्रेटर कैलाश-2 में दो जिम सील करने की कार्रवाई पर सवाल उठाए।

सरस मेले में सजा...

सरस मेले के माध्यम से उनके उत्पादों को बाजार और हुनर को पहचान मिलती है। उन्होंने महिलाओं से उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया।

विधायक धर्मराज निषाद ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रयास कर रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी निभा रही हैं। उन्होंने लोगों से मेले में पहुंचकर महिलाओं के बनाए उत्पाद खरीदने की अपील की।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और ग्राम्य विकास विभाग की ओर से आयोजित यह मेला पांच से सात नवंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर डीसी एनआरएलएम, डीएमएम, बीएमएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल अराजकता...

वहीं, सीएम ने अपने संबोधन में शाह को लौहपुरुष कहा।

इससे पहले करनाल में हुई पदयात्रा में अमित शाह का फोकस राहुल गांधी और विपक्ष पर रहा। यहां उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना। 2024 के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

शाह ने कहा, "राहुल जी, आप संसद चलने नहीं देते। मुद्दों पर चर्चा नहीं करते। संसद में शोर-शराबे को कांग्रेस ने अपना कल्चर बना दिया है। सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके अनार्किस्ट (अराजकतावादी) की तरह अराजकता फैलानी है।"

नशा मुक्त हरियाणा के लिए लोगों ने कमर कस ली है। नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को प्रायोरिटी दी है, क्योंकि जिस वक्त संगठन सचिव थे तब वो हरियाणा के प्रभारी थे। मैं आज कहने आया हूं- नायब बोलते कम हैं, लेकिन काम करने में बहुत तेज हैं। 2029 में जब वोट लेने आएंगे तब हम सभी घोषणाओं को समाप्त करके आएंगे।

जंतर-मंतर हिंसा...

पोर्टल शुरू होने के बाद तय प्रक्रिया के तहत एक और शिकायत जमा कराई गई थी। सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दाखिल वीडियो और दूसरी सामग्री कमेटी को भेजी जा सकती है, ताकि हर पीड़ित को अलग-अलग पेश न होना पड़े। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जनहित याचिका दायर करने वाले तीसरे पक्ष के लोग पीड़ितों की संख्या के बारे में दावा कर सकते हैं, जबकि वास्तविक संख्या अलग हो सकती है। उन्होंने उदाहरण दिया कि कोई 50 पीड़ितों का दावा करे, लेकिन वास्तव में सिर्फ 5 पीड़ित हों।

ग्रोवर ने कहा कि हिंसा के मामलों में एक भी FIR दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने की अनुमति किसने दी थी। उनके मुताबिक, कमेटी की रिपोर्ट में केंद्र सरकार ने इस मामले में कोई जानकारी नहीं दी है।

वोटर लिस्ट होगी...

इस तरह आयोग अब तक कुल 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए SSR की घोषणा कर चुका है। स्पेशल समरी रिवीजन के तहत मौजूदा वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाता है। इसमें नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाते हैं और मतदाता सूची में मौजूद गलतियों को ठीक किया जाता है। यह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) से अलग प्रक्रिया है। SIR में मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन किया जाता है, जबकि SSR में मौजूदा मतदाता सूची को आधार बनाकर उसमें बदलाव किए जाते हैं।

तीन स्वतंत्र डायरेक्टर संभालेंगे कमान एसीई ने करीब 30 करोड़ रुपए तक फंडिंग का भरोसा दिया

अमेरिकी क्रिकेट को दिवालियापन से निकालने की तैयारी शुरु

तैयारी

लंदन, एजेंसी

अमेरिका क्रिकेट को दिवालिया-पन से बाहर निकालने की तैयारी शुरू हो गई है। कोर्ट नियुक्त ट्रस्टी मार्क डेनिस ने बोर्ड के लिए तीन स्वतंत्र डायरेक्टर के नाम प्रस्तावित किए हैं। इनमें सेलिना कैंग, पैट्रिक सिंगलटन और नॉर्मन वेन शामिल हैं। नई टीम ICC से निलंबित सदस्यता बहाल कराने और अमेरिकी क्रिकेट में प्रशासनिक स्थिरता लाने की जिम्मेदारी संभालेगी। यह प्रस्ताव USA क्रिकेट के रिऑर्गेनाइजेशन प्लान का हिस्सा है, जिसे अमेरिकी बैंकरप्सी कोर्ट में

अमेरिकी ने इसी साल अक्टूबर में पहली बार ICC मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 का खिताब जीता था।

दाखिल किया गया है। मेजर लीग क्रिकेट (MLC) की मालिक कंपनी अमेरिकन क्रिकेट एंटरप्राइजेज (ACE) ने भी संगठन को चलाने के लिए 29 करोड़ 68 लाख रुपए तक की अतिरिक्त फंडिंग देने का भरोसा दिया है।

2028 ओलिंपिक तक बिना चुनाव के चल सकता है बोर्ड

नए संविधान के तहत USA क्रिकेट के बोर्ड में 9 से 11 डायरेक्टर हो सकते हैं। इसमें खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों के पास कम से कम 33.3% वोटिंग अधिकार होंगे। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक, ICC की सदस्यता बहाल होने तक स्वतंत्र डायरेक्टर के पास बोर्ड की कमान रह सकती है। ऐसे में 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक तक सामान्य सदस्यों के बीच चुनाव कराए बिना भी संगठन चल सकता है।

हालांकि, दस्तावेजों में चुनाव कराने पर रोक नहीं लगाई गई है और न ही इसके लिए कोई निश्चित समयसीमा तय की गई है।

USA क्रिकेट की ICC सदस्यता सितंबर 2025 से निलंबित है। इस कारण संगठन को ICC से फंडिंग नहीं मिल रही।

ACE की रकम जुलाई में हुए पुराने सेटलमेंट के तहत तय फंडिंग के अतिरिक्त होगी। इसका इस्तेमाल संगठन के रोजमर्रा के खर्च और कामकाज के लिए किया जाएगा।

इस योजना में 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के बाद 2029 तक फंडिंग की व्यवस्था का भी प्रावधान है।

जनवरी 2027 में कोर्ट की मंजूरी मिलने की उम्मीद

कोर्ट नियुक्त ट्रस्टी मार्क डेनिस ने 15 जनवरी 2027 के आसपास रिऑर्गेनाइजेशन प्लान की सुनवाई कराने का अनुरोध किया है। यह सुनवाई अधिकतम 22 जनवरी तक हो सकती है। फंडिंग व्यवस्था के लिए 29 जनवरी तक कोर्ट की मंजूरी जरूरी है।

प्लान को मंजूरी मिलने और सभी शर्तें पूरी होने के बाद तीनों नए डायरेक्टर पद संभाल सकते हैं। उसी समय USA क्रिकेट के मौजूदा बोर्ड के सभी सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

नए डायरेक्टर के चयन की प्रक्रिया पर ICC और अमेरिकी ओलिंपिक एवं पैरालिंपिक समिति (USOPC) ने भी नजर रखी है।

> **दरअसल, यूएसए क्रिकेट और एसीई के बीच लंबे समय से कमर्शियल समझौते को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष 2019 के शुरुआती समझौते की शर्तों के अनुरूप नया करार नहीं कर पाए थे। इसी मतभेद ने संगठन के प्रशासनिक संकट को और बढ़ाया।**
>
> **अब नए बोर्ड को एसीई के साथ मिलकर ऐसा समझौता करना होगा, जो आईसीसी की पहले उठाई गई आपत्तियों को भी दूर करे।**

14 साल बाद भारतीय महिला खिलाड़ी डब्ल्यूटीए क्वार्टरफाइनल में

माया राजेश्वरन चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली। 17 साल की माया राजेशवरन रेवती चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। वह 14 साल बाद किसी WTA टूर-लेवल सिंगल्स टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

इससे पहले 2012 में सानिया मिर्जा ने पट्टाया ओपन में यह उपलब्धि हासिल की थी। माया ने बुधवार को राउंड ऑफ-16 में पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोवस्का को 6-4, 6-3 से हराया।

मैच की शुरुआत माया के लिए अच्छी नहीं रही। उन्होंने डबल फॉल्ट के साथ शुरुआत की और अपनी सर्विस गंवा दी। हालांकि, उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़ दी।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार 5 गेम में सर्विस ब्रेक हुए। इस दौरान डबल फॉल्ट और अनफोर्स्ड एरर्स भी देखने को मिले। फाल्कोवस्का ने एक समय 4-2 की

बढ़त बना ली थी। इसके बाद माया ने लगातार दो गेम जीतकर स्कोर 4-4 किया और फिर अपनी सर्विस बचाकर 5-4 की बढ़त हासिल की।

10वें गेम में फाल्कोवस्का ने दो डबल फॉल्ट किए और एक फोरहैंड शॉट भी बाहर मार दिया। इससे माया को सेट जीतने के दो मौके मिले। उन्होंने दूसरा सेट पॉइंट भुनाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में फाल्कोवस्का ने अपने शॉट्स में ज्यादा ताकत लगाने की कोशिश की, लेकिन माया ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और आठवें गेम में फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़कर 5-3 की बढ़त बना ली।

यूथ ओलिंपिक : 15 साल की तन्वी पात्री फाइनल में पहुंची

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय बन सकती हैं

नई दिल्ली। 15 साल की भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री यूथ ओलिंपिक गेम्स के फाइनल में पहुंच गई हैं। वे इस टूर्नामेंट में महिला सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। इसके साथ ही इस इवेंट में भारत का पहला महिला सिंगल्स मेडल भी पक्का हो गया है।

तन्वी ने सेमीफाइनल में जापान की दूसरी सीड युजुनो वतनाबे को 21-14, 11-21, 21-19 से हराया। अब गोल्ड मेडल मैच में उनका मुकाबला चीन की शिन झांग से आज रात होगा।

तन्वी ने मुकाबले की शुरुआत अच्छी की और पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। हालांकि, वतनाबे ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 21-11 से जीत हासिल की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के

बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय मुकाबला बराबरी पर था। हालांकि तन्वी ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और 21-19 से गेम जीतकर फाइनल में जगह बना ली। तन्वी का मैच चीन की मजबूत यी शिन झांग से है। झांग हाल ही में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। दोनों खिलाड़ी इस साल एशिया जूनियर चैंपियन-शिप के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने आई थीं। तब तन्वी को 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। यूथ ओलिंपिक में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है।

सुरेश रैना बोले- एक बार का किंग, हमेशा किंग, दिनेश कार्तिक की पोस्ट- आपकी फिटनेस का जवाब नहीं

आज 38 साल के हुए विराट कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली गुरुवार को 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर कई क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर बधाईयां दी हैं। इनमें शिखर धवन, रवि शास्त्री, सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक भी शामिल हैं।

सुरेश रैना ने लिखा- एक बार का किंग, हमेशा किंग रहता है। वहीं दिनेश कार्तिक ने कोहली के फिटनेस की तारीफ की है। भारत के पूर्व हेड कोच रहे रवि शास्त्री ने खास अंदाज में कोहली को जन्मदिन की बधाई दी है।

वनडे में सबसे ज्यादा शतक से लेकर कई बड़े कोहली के नाम हैं, लेकिन सबसे पहले जन्मदिन पर क्रिकेटरों के बधाई संदेश

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली की बल्लेबाजी करते हुए एक तस्वीर शेयर की।

> **पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन ने कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके खेल के प्रति जुनून, मेहनत और लगन की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि कोहली का खेल के प्रति प्यार आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करता है।**

सुरेश रैना बोले- कोहली को बल्लेबाजी करते देखना खुशी की बात

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने कोहली को किंग बताते हुए उनके कवर ड्राइव और यादगार रन चेज का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि कोहली ने क्रिकेट फैंस को अनगिनत यादें दी हैं। उन्हें कोहली की बल्लेबाजी देखना बेहद पसंद है।

दिनेश कार्तिक बोले- 38 में भी फिटनेस का जवाब नहीं

पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज और कोहली के RCB साथी दिनेश कार्तिक ने उनकी फिटनेस और खेल के जुनून की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'हर साल वही आग और जुनून। 38 साल की उम्र में भी इतनी फिटनेस पहले कभी नहीं देखी। जन्मदिन मुबारक हो विराट।'

विराट कोहली ने बुधवार को ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ 74 रन बनाए।

मनोज तिवारी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ साझेदारी याद की

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने कोहली के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई साझेदारी की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि कुछ साझेदारियां रनों के लिए नहीं, बल्कि उनसे जुड़ी यादों के लिए खास होती हैं। उन्होंने कोहली से इसी जुनून और समर्पण के साथ नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहने की बात कही। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने कोहली को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'आपका आने वाला जीवन स्वस्थ रहे। खुश रहो, आबाद रहो।'

मनोरंजन

समीक्षा को अपने बॉयफ्रेंड के धोखे की जानकारी नहीं थी, स्काउटओपी के सामने बात कबूल की

यंग डीएसए ने गर्लफ्रेंड को 10-12 बार किया चीट

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 20' (Bigg Boss 20) के कंटेस्टेंट यंग डीएसए (Yung DSA) ने अपनी गर्लफ्रेंड समीक्षा को कई बार धोखा देने की बात कबूल की है। यह बात तब सामने आई जब घर के अंदर उनके परिवार का एक ऑडियो मैसेज सुनाया गया, लेकिन उन्हें अपनी गर्लफ्रेंड की तरफ से कोई मैसेज नहीं मिला, जिससे वे काफी निराश दिखे।

अपने साथी कंटेस्टेंट स्काउटओपी (ScoutOP) से अपना दुख शेयर करते हुए, यंग ने कहा, 'मैंने समीक्षा को खो दिया है, स्काउट।'

इसके बाद यंग ने जो कहा, उसे सुनकर स्काउट हैरान रह गए। यंग ने जवाब दिया, 'नहीं, उसे पता ही नहीं था,' जिसका मतलब है कि

समीक्षा को उनके धोखे के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। यंग ने आगे अंदाजा

> **जब स्काउट ने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की, तो यंग ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि मैंने उसे बहुत बार धोखा दिया है। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने समीक्षा को लगभग 10-12 बार धोखा दिया है। यह सुनकर स्काउट ने पूछा, 'फिर भी वह तेरे साथ रही ना?'**

लगाया कि शायद उन्हें इस बारे में तब पता चला होगा जब वे 'बिग बॉस' के घर में आ गए थे। उन्होंने कहा, 'शायद जब मैं यहां आया, तब उसे इस बात का पता चला होगा।'

ऑटो रोकने के लिए सड़क पर चिल्लाई थीं करीना

सैफ को खून से लथपथ देखकर दौड़ी

नई दिल्ली। करीना कपूर ने बताया कि जनवरी 2025 में जब सैफ अली खान पर चाकू से हमला हुआ था, तब वह उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए रात में सड़क पर दौड़ी थीं। 'कॉफी विद करण' में करीना ने कहा कि वह नाइट टी-शर्ट में ऑटो रोकने के लिए चिल्ला रही थीं। उस समय सैफ खून से लथपथ खड़े थे।

करीना ने बताया कि वह करीब छह महीने तक ठीक से सो नहीं पाईं। सैफ ने कहा कि उन्होंने छोटे बेटे जेह को बचाने के लिए हमलावर का सामना किया।

करीना ने बताया, "मैं अपनी नाइट टी-शर्ट में थी। अच्छा हुआ कि किसी ने इसका वीडियो नहीं बनाया, करण। मैं सड़क पर चिल्ला रही थी-

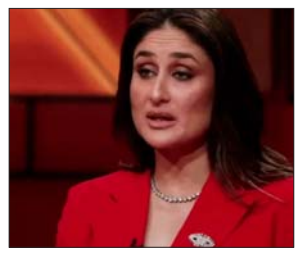

रुको, रुको।"

करीना ने कहा, "यह किसी फिल्म के सीन जैसा था। मेरे पास पायजामा पहनने का समय नहीं था। मैं सड़क पर दौड़ गई। यह बात किसी को पता नहीं है। मैं पहली बार बता रही हूं।"

उन्होंने बताया कि वह सैफ के खून बहने के बीच पागलों की तरह रिक्शा तलाश रही थीं।

कहा- इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिला, लारा दत्ता ने कैकेयी के किरदार पर भावुक नोट लिखा

रामायण में कैकेयी का किरदार निभाकर भावुक हुईं लारा दत्ता

- इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिला बताया
- अभिनेत्री ने अपने पिता को किया याद
- दर्शकों को देखने को मिलेगी आगे की कहानी
- नितेश तिवारी को एक्ट्रेस ने कहा धन्यवाद

> **इसे एक असाधारण सौभाग्य बताते हुए, अभिनेत्री ने कहा, 'एक ऐसी मां का किरदार निभाना वाकई एक असाधारण सौभाग्य है, जिसे शायद इतिहास में सबसे ज्यादा गलत समझा गया है। उनकी मानवीय संवेदनाओं को उनके दर्द, उनकी कमजोरियों, उनके अपराधबोध और उनके पछतावे को जीवंत करने की जिम्मेदारी मिलना, मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।'**

नई दिल्ली। 'रामायण' (Ramayana) के सिनेमाघरों में आने के साथ ही, इस पौराणिक महाकाव्य को लेकर लोगों के रिव्यू भी सामने आने लगे हैं। इसमें लारा दत्ता (Lara Dutta) कैकेयी का किरदार निभा रही हैं, जो भगवान राम को 14 साल के वनवास पर भेजती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद, अभिनेत्री ने इस अहम किरदार को निभाने के बारे में एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कैकेयी को इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिलाओं में से एक बताया और इस अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

लारा ने इतिहास को आकार देने में कैकेयी की भूमिका पर और विचार किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक इस किरदार के बारे में सदियों पुरानी धारणाओं से आगे देखेंगे और एक दिव्य भविष्यवाणी को पूरा करने में उनके योगदान को समझेंगे।

उन्होंने लिखा, 'मैं दिल से आभारी हूं। आज, यह दिव्य कहानी आप तक पहुंच रही है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने छोटे से प्रयास से माता कैकेयी के किरदार के साथ न्याय कर पाऊंगी।

आप सदियों पुरानी धारणाओं से परे जाकर, उस अहम भूमिका के लिए उन्हें अपनाएंगी जो उन्होंने एक दिव्य

रामायण में निभाया कैकेयी का रोल

इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए, अभिनेत्री भावुक भी हो गईं। उन्होंने इच्छा जताई कि काश उनके पिता भी उनके जीवन के इस खास पल को देखने के लिए वहां मौजूद होते।

इंस्टाग्राम पर लारा ने एक दिल छू लेने वाला नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उस कहानी का हिस्सा बनने के अपने सफर के बारे में बताया, जिसे उन्होंने 'कालजयी' कहानी कहा।

भविष्यवाणी को सच करने में निभाई थी।' लारा ने इस अवसर के लिए निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी का भी धन्यवाद किया। अपने सह-कलाकारों और क्रू सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए, उन्होंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को अपने लिए एक सौभाग्य बताया। अपने नोट के अंत में, अभिनेत्री ने अपने पिता को याद करते हुए एक भावुक मैसेज भी लिखा।

कट्टरपंथी नेता बोले- इसके बिना सुरक्षित नहीं, अली खामेनेई ने फतवा निकालकर रोक लगाई थी

ईरान की मस्जिदों में परमाणु बम बनाने की मांग उठी

नारेबाजी

तेहरान, एजेंसी

ईरान में परमाणु बम बनाने की मांग हो रही है। देश की मस्जिदों में शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम और कट्टरपंथी नेता खुले तौर पर कह रहे हैं कि अमेरिका और इजराइल से सुरक्षा के लिए परमाणु हथियार बनने चाहिए।

यह मांग ऐसे समय में उठ रही है, जब ईरान के नेता अमेरिका और इजराइल के साथ जारी जंग को खत्म करने की कोशिशें कर रहे हैं।

देश के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई ने फतवा जारी कर परमाणु बम बनाने और इस्तेमाल करने पर बैन लगाया था।

अब इसके खिलाफ आवाज उठने लगी है। अली खामेनेई चाहते थे कि ईरान परमाणु बम न बनाए लेकिन इतना सक्षम जरूर दिखे कि अमेरिका और इजराइल उस पर हमला करने से डरें। उन्हें लगता था कि ईरान की परमाणु ताकत को लेकर बना डर ही दुश्मन देशों को हमला करने से रोक देगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ जंग शुरू कर दी। इस साल अमेरिका के हमले में अली खामेनेई की भी मौत हो गई। ईरान के

ईरान के धर्मगुरु तेहरान में अमेरिका का झंडा जलाते हुए। तस्वीर 4 नवंबर 2026 की है।

> ईरान में परमाणु हथियारों पर रोक लगाने वाली अंतरराष्ट्रीय संधि से बाहर निकलने की मांग भी बढ़ रही है। इस संधि के तहत ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाने का वादा किया है। ईरान के विदेश मामलों के जानकार मोहम्मद गदरी के मुताबिक, पहले सरकार में कुछ ही लोग संधि से बाहर निकलने की बात करते थे। लेकिन अब ज्यादा नेता इसके पक्ष में आ रहे हैं।

जानकार मोहम्मद अली शबानी के मुताबिक, इन हमलों के बाद ईरान में लोगों की सोच बदल रही है। अब उन्हें लगने लगा है कि अगर देश के पास परमाणु बम होता, तो अमेरिका और इजराइल हमला करने से पहले कई बार सोचते। यानी परमाणु बम न बनाने के बावजूद ईरान को हमले झेलने पड़े।

शुक्रवार की नमाज के बाद लग रहे परमाणु बम के लिए नारे

पिछले हफ्ते ईरान के पश्चिमी शहर कुहदाश्त में शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम ने कहा था कि हमें परमाणु हथियारों से लैस होना चाहिए, ताकि हम अपराधी अमेरिका का मजबूती से मुकाबला कर सकें। उनके इस बयान के बाद नमाजियों ने नारा लगाया- परमाणु हथियार बनाकर अपना बचाव करना हमारा हक है। तेहरान में भी शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम अकबरी ने परमाणु नीति बदलने को देश की जरूरत बताया। इस पर भी लोगों ने वही नारा लगाया।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम हमेशा विवादों में रहा है

ईरान की सरकार हमेशा कहती रही है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। हालांकि, पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां पहले कई बार दावा कर चुकी हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के कुछ अधिकारियों ने ईरान पर परमाणु बम बनाने की तैयारी करने का आरोप भी लगाया था। साल 2015 में ईरान और अमेरिका समेत दुनिया की बड़ी ताकतों के बीच परमाणु समझौता हुआ था।

आयरलैंड से रोम जा रहे एयरबस विमान को बम से उड़ाने की धमकी

फ्रांस के एयरबेस पर करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

पेरिस, एजेंसी

यूरोप में उड़ानों को लगातार मिल रही धमकियों के बीच एक और बड़ी घटना सामने आई है। आयरलैंड की राजधानी डबलिन से इटली की राजधानी रोम जा रहे एयरबस A320 विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की खबर सामने आ रही है।

इस घटना के सामने आने के बाद एयरबस A320 विमान को फ्रांस में डायवर्ट करना पड़ा। इस बात की जानकारी फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के कार्यालय ने गुरुवार को दी।

अधिकारियों के मुताबिक, धमकी मिलने के बाद विमान को तुरंत फ्रांस के एवरू एयरबेस पर सुरक्षित उतार लिया गया। फ्रांस के प्रधानमंत्री कार्यालय का कहना है कि स्थिति पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से यूरोप में उड़ानों को निशाना बनाकर इस तरह की फर्जी या गंभीर धमकियां मिलने की घटनाओं में तेजी आई है, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्कता बरत रही हैं।

- आयरलैंड से रोम जा रहे एयरबस ए320 को बम की धमकी।
- विमान को फ्रांस के एवरू एयरबेस पर सुरक्षित उतारा गया।
- यूरोप में उड़ानों को मिल रही धमकियों में तेजी।

फास्ट न्यूज

भारतीय मूल की नित्या रमन बनीं लॉस एंजिल्स की मेयर

वाशिंगटन। भारतीय मूल की सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन ने लॉस एंजिल्स का मेयर चुनाव जीत लिया है। नित्या रमन ने इस इलेक्शन में मौजूदा मेयर करेन बास को हराया। नित्या रमन जो कुछ हफ्ते पहले तक सार्वजनिक रूप से करेन बास का समर्थन कर रही थीं, अब उन्होंने ही चुनाव में मौजूदा मेयर को मात दी है। रमन, जो 2020 में पहली बार लॉस एंजिल्स सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं, फरवरी में मेयर पद की दौड़ में शामिल हुईं।

रियाद हवाई अड्डे पर हमले में घायल हुए दूसरे भारतीय नागरिक की मौत

रियाद। सऊदी अरब के रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 10 अक्टूबर को हुए हमले में घायल दूसरे भारतीय नागरिक की मौत से मरने वालों की संख्या बढ़ गई है। अब ये संख्या बढ़ कर 14 हो गई है। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने बुधवार को बताया कि इस घटना में गंभीर रूप से घायल एक और भारतीय नागरिक की इलाज के दौरान आईसीयू में मौत हो गई। सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन के अनुसार, इस घटना में शुरुआत में 12 लोगों की मौत हुई थी और 309 लोग घायल हुए थे।

'ईरान युद्ध की वजह से हारे चुनाव'

वाशिंगटन। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में डोनल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की बड़ी हार हुई है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस हार का कारण साफ तौर पर ईरान युद्ध बताया। जेडी वेंस की इस बात का समर्थन डोनल्ड ट्रंप के सबसे बड़े बेटे ट्रंप जूनियर ने भी किया। इससे राष्ट्रपति के अपने खेमे के अंदर से ईरान युद्ध को लेकर मौजूद मतभेद सामने आ गए हैं।

हांगकांग के एक्टिविस्ट जोशुआ वोंग को 10 साल की जेल

विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत पर हुई सजा

हांगकांग, एजेंसी

हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का वैश्विक चेहरा बने एक्टिविस्ट जोशुआ वोंग को गुरुवार को 10 साल की सजा सुनाई गई।

जोशुआ वोंग को शहर के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने के आरोप में 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई है।

वोंग उन युवाओं के समूह में शामिल थे, जिनके विरोध प्रदर्शनों को बीजिंग द्वारा 2020 में हांगकांग पर थोपे गए व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत प्रभावी रूप से गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। यह कानून कुछ हिंसक प्रदर्शनों के बाद लागू किया गया था।

हाई कोर्ट के जज विलियम टैम ने खचाखच भरे कोर्ट रूम में

सजा सुनाते हुए कहा, सजा अपराध की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए। 30 वर्षीय वोंग पर आरोप था कि उन्होंने खुद निर्वासन में रह रहे कार्यकर्ता नाथन ला और अन्य लोगों के साथ मिलकर चीन के बाहर के देशों, संगठनों या व्यक्तियों से आग्रह किया था कि वे सरकार के खिलाफ प्रतिबंध लगाएं, नाकेबंदी करें या अन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियां चलाएं। स्वीकार किया अपराध

सितंबर में उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। वोंग और अन्य लोगों के मामलों पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों के साथ-साथ कुछ पश्चिमी और एशियाई देशों की भी पैनी नजर है, जो पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश रहे हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किए जाने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं।

सरकार नियम बदल सकती है, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स की कानूनी सुरक्षा हटाने की तैयारी

यूजर्स की पोस्ट के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जिम्मेदार होंगे

विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और X जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म करने पर विचार कर रही है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, IT मंत्रालय ने सोशल मीडिया नियमों में बदलाव पर चर्चा शुरू की है। इसके तहत यूजर्स की पोस्ट, वीडियो और कमेंट के लिए प्लेटफॉर्म्स को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

अभी IT एक्ट की धारा 79 के तहत इन कंपनियों को 'सेफ हार्बर' सुरक्षा मिलती है। इसके

तहत यूजर्स की पोस्ट और कमेंट के लिए कंपनियों को सीधे जिम्मेदार नहीं माना जाता।

सरकार इस सुरक्षा को सोशल मीडिया कंपनियों से हटाकर इंटरनेट, टेलीकॉम और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स तक सीमित करने पर विचार कर रही है।

इससे पहले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने दिल्ली पुलिस को उन आरोपों की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया था, जिनमें कहा गया था कि Meta के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम पर पेड विज्ञापनों के जरिए भारत में चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल (CSAM) को बढ़ावा दिया गया।

> एनएचआरसी ने पुलिस को यह भी जांचने का निर्देश दिया था कि क्या टेक कंपनी और दूसरे संबंधित पक्षों ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट के तहत अनिवार्य रिपोर्टिंग से जुड़ी जिम्मेदारियों का पालन किया था।

सुरक्षा की वजह से बढ़ा मेटा और गूगल का कारोबार

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सुरक्षा ने मेटा, गूगल और X जैसी कंपनियों को यूजर-जनरेटेड कंटेंट पर बड़े कारोबार खड़े करने में मदद की है। उन्हें हर पोस्ट, वीडियो या कमेंट की कानूनी जिम्मेदारी नहीं उठानी पड़ती। सरकार के एक वर्ग का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब सिर्फ जानकारी पहुंचाने वाले माध्यम नहीं हैं। वे एल्गोरिदम से कंटेंट की रैंकिंग, सिफारिश और पहुंच तय करते हैं। ये प्लेटफॉर्म अपनी कम्युनिटी गाइडलाइन के आधार पर पोस्ट हटाते या सीमित करते हैं। ये नियम कई बार भारतीय कानूनों से अलग हो सकते हैं।

सभी डेमोक्रेटिक पार्टी से, ट्रम्प ने विवेक रामास्वामी का प्रचार किया, फिर भी हारे

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में 6 भारतवंशी जीते

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में 6 भारतवंशी नेताओं ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनाव में जीत हासिल की है। ये सभी डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं।

जीतने वालों में रो खन्ना, अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, सुहास सुब्रमण्यम, पिया दांडिया और अमीश शाह शामिल हैं। इससे पहले 2024 के चुनाव में 6 भारतवंशी इस सदन के लिए चुने गए थे।

इस बार सीनेट के लिए किसी भारतीय मूल के उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा था। वहीं, गवर्नर पद के लिए भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने ओहायो से दावेदारी पेश की थी, लेकिन वे डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से हार गए।

कैलिफोर्निया के तीसरे संसदीय क्षेत्र से एमी बेरा लगातार आठवीं बार सांसद चुने गए हैं। उन्होंने

एमी बेरा भारतीय मूल के नेताओं में सबसे लंबे समय से अमेरिकी संसद के सदस्य हैं।

रिपब्लिकन उम्मीदवार रॉब टकर को 23 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है। बेरा पेशे से डॉक्टर हैं। वह 2012 में पहली बार सांसद बने थे।

अमी बेरा का परिवार अमेरिका में होटल का कारोबार करता था। बचपन में वह वीकेंड और छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता के होटल में काम करते थे। इस दौरान उन्होंने होटल के छोटे-मोटे काम सीखे और कारोबार को करीब से समझा।

बाद में डॉक्टर बनने के बाद 1995 में उन्होंने खुद भी एक छोटा होटल खरीदा। वह करीब 2012 तक इसके मालिक रहे। इसके बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा। बेरा ने 2010 में पहली बार चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए। दो साल बाद दोबारा मैदान में उतरे और जीतकर अमेरिकी संसद पहुंचे।

उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार रितेश टंडन को 42 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है। टंडन इससे पहले 2020 और 2022 में भी रो खन्ना के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं।

रो खन्ना कॉलेज में पढ़ाई के दौरान बराक ओबामा के लिए प्रचार करते थे। 1996 में ओबामा इलिनॉय की राज्य सीनेट का चुनाव लड़ रहे थे। खन्ना उनके लिए लोगों के घरों तक गए और वोट मांगे। यही से उनका राजनीति में सीधा जुड़ाव हुआ।

रो खन्ना के नाना अमरनाथ विद्यालंकार भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ लेख लिखे और विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। इसके लिए उन्हें करीब चार साल जेल में रहना पड़ा था।

वॉशिंगटन के 7वें संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमिला जयपाल ने लगातार छठी बार जीत दर्ज की है। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार नीरव शेठ को 1.52 लाख से ज्यादा वोटों से हराया है।

प्रमिला 2017 से इस सीट पर सांसद हैं। वह हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पहुंचने वाली पहली भारतीय मूल की महिला हैं। उनका जन्म चेन्नई में हुआ था।

दोस्त की हत्या कर जानवरों के शव के साथ तीन साल तक फ्रीजर में रखे अवशेष

लंदन, एजेंसी

यूनाइटेड किंगडम में एक व्यक्ति ने अपनी करीबी दोस्त की हत्या कर दी और उसके शव के टुकड़ों को लगभग तीन साल तक एक फ्रीजर में छिपाकर रखा। शव के इन हिस्सों को उसके पांच पालतू गिनी पिग के शवों के साथ रखा गया था।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हत्या के मामले में सुनवाई शुरू हो गई है और सरकारी वकीलों ने कोर्ट के सामने इस घटना के बेहद चौंकाने वाले विवरण पेश किए हैं। लिवरपूल क्राउन कोर्ट के अनुसार, 65 वर्षीय जॉर्ज गॉर्डन ने अप्रैल 2023 में अपनी दोस्त और रूममेट डेलिया मैकइनर्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी थी। मौत के समय डेलिया की उम्र 62 साल थी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि गॉर्डन ने डेलिया की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। शुरुआत में उसने पुलिस को बताया था कि डेलिया ने जरूरत से ज्यादा दवा ले ली थी और उसकी तकलीफ खत्म करने के लिए

उसने उसे हथौड़े से मारा था। अब उसने दावा किया है कि उसने आत्मरक्षा में ऐसा किया था।

गॉर्डन लिवरपूल क्राउन कोर्ट के कटघरे में मौजूद नहीं था। जांचकर्ताओं ने जूरी को बताया कि यह हत्या उस समय से कुछ ही दिन पहले हुई थी जब मैकिनर्नी अपने पालतू जानवरों के साथ एक नई जिंदगी शुरू करने के लिए पुर्तगाल जाने की योजना बना रही थी।

वित्तीय धोखाधड़ी और किसी और का रूप धरने के कई मामले सामने आने के बाद सच्चाई का पता चला। अभियोजकों ने बताया कि हत्या के तुरंत बाद गॉर्डन ने मैकिनर्नी के बैंक खातों से पैसे निकाल लिए, ऑनलाइन एक चेस्ट फ्रीजर मंगवाया और उसके बाद कई सालों तक खुद को मैकिनर्नी बताकर काम करता रहा।

आरोप : इन पर फर्जी तरीके से ईरानी जहाजों को ट्रेड की मंजूरी दिलवाने का आरोप

अमेरिका का भारतीय दंपती से जुड़ी 9 कंपनियों पर प्रतिबंध

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने बुधवार को ईरान के तेल कारोबार में मदद करने के आरोप में चंडीगढ़ के एक कारोबारी दंपती समेत 4 भारतीयों और उनसे जुड़ी 9 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इन लोगों पर ईरान के गुप्त तेल जहाजों (शैडो फ्लीट) को दूसरे देशों के झंडे और फर्जी कागजात दिलाने का आरोप है।

इस नेटवर्क की मदद से ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों की असली पहचान छिपाई जाती थी, ताकि वे अमेरिकी प्रतिबंधों से बच सकें।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय का आरोप है कि यह नेटवर्क 2014 से सक्रिय

था। शुरुआत में इसने कैरेबियाई देश डोमिनिका की जहाज रजिस्ट्रेशन एजेंसी बनकर काम करने की कोशिश की। इसके बाद नेटवर्क ने गुयाना, मोजाम्बिक, माली, मलावी और अरूबा समेत कई देशों के नाम पर फर्जी वेबसाइटें बनाईं। इनके जरिए जहाजों को उन देशों का रजिस्ट्रेशन दिलाने का दिखावा किया जाता था। जब किसी जहाज का मालिक अपने देश के बजाय किसी दूसरे देश में जहाज का रजिस्ट्रेशन कराता है, तो इसे 'फ्लैग ऑफ कन्वीनिएंस' कहते हैं। इसके बाद जहाज उस देश का झंडा लगाकर चलता है और उस पर उसी देश के समुद्री कानून और नियम लागू होते हैं। आमतौर पर जहाज मालिक ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि कुछ देशों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आसान होती है और नियम भी कम सख्त होते हैं। लेकिन इस मामले में अमेरिका का आरोप है कि इस व्यवस्था का गलत इस्तेमाल करके ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों की असली पहचान छिपाई गई।

> प्रतिबंध लगने के बाद अमेरिका में इन लोगों और कंपनियों की संपत्तियां फ्रीज कर दी गई हैं। अमेरिकी नागरिक और कंपनियां अब इनके साथ किसी तरह का कारोबार या पैसों का लेनदेन नहीं कर सकेंगी। इसके अलावा, ईरानी एयरलाइंस को मदद देने के आरोप में तुर्किये की एक कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

दूसरे देश के झंडे के साथ समुद्र में चलते थे जहाज

प्रतिबंधों की सूची में चंडीगढ़ के रहने वाले सुनील कुमार शर्मा, उनकी पत्नी जसप्रीत प्रीति शाहिद, अश्वनी कुमार धीमान और इशविंदर सिंह के नाम शामिल हैं। इनके अलावा भारत में पंजीकृत 8 और सिंगापुर में पंजीकृत एक कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के मुताबिक, सुनील कुमार शर्मा और उनकी पत्नी फर्जी वेबसाइटों और संस्थाओं के जरिए जहाजों को दूसरे देशों का रजिस्ट्रेशन दिलाने का काम करते थे। आरोप है कि वे बिना संबंधित देशों की सरकारी मंजूरी के गुयाना और मोजाम्बिक जैसे देशों के नाम पर जहाजों का पंजीकरण कराते थे। इस फर्जी रजिस्ट्रेशन का इस्तेमाल ईरानी तेल ले जाने वाले जहाजों की असली पहचान छिपाने के लिए किया जाता था। जहाज किसी दूसरे देश के झंडे के साथ समुद्र में चलते थे, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाता था कि उनका असली मालिक कौन है और वे किस देश से जुड़े हैं। इससे उन पर नजर रखना और उन्हें पकड़ना भी मुश्किल हो जाता था।

'ड्रोन के मामले में अमेरिका से काफी आगे यूक्रेन

रूस युद्ध ने खोल दी हमारी आंखें' पेंटागन अधिकारी का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी

पेंटागन के टेक्नोलॉजी चीफ एमिल माइकल ने कहा है कि अमेरिका आधुनिक ड्रोन युद्ध के उभार के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि यूक्रेन को युद्ध के मैदान में अपनी जरूरत की कुछ तकनीकें खुद विकसित करनी पड़ीं, क्योंकि अमेरिका उन्हें उपलब्ध नहीं करा सका। वॉल स्ट्रीट जनर्ल टेक कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए माइकल ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष ने अमेरिका की सैन्य तैयारियों में बड़ी कमियों को उजागर कर दिया है, जिसके बाद देश की ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयासों में तेजी आई है। कैलिफोर्निया के नापा में एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए माइकल ने कहा कि पेंटागन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन कितने अहम हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यूक्रेन और

रूस के बीच ड्रोन युद्ध ने हमें पूरी तरह से चौंका दिया। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था क्योंकि उसने कभी ऐसा सोचा ही नहीं था।

उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग अब भविष्य के संघर्षों की तैयारी पर ध्यान दे रहा है और यह समझने की कोशिश कर रहा है कि युद्ध का स्वरूप कैसे बदल सकता है। माइकल ने माना कि हालांकि अमेरिका ने रूस के साथ युद्ध के दौरान यूक्रेन को काफी मदद दी, लेकिन यूक्रेनी सेना को अक्सर युद्ध के मैदान में खुद ही अपने समाधान खोजने पड़े।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96